दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-110 | सीहोर, सोमवार 15 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

मुरैना में उदयपुर इंटरसिटी में आग की अफवाह कूदे यात्री, पातालकोट ट्रेन से कटकर 4 की मौत

मुरैना(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के मुरैना में रविवार को बड़ा हादसा हो गया. यहां ट्रेन से कटकर 4 यात्रियों की मौत हो गई है. बताया जा रहा है कि उदयपुर इंटरसिटी में आग की अफवाह से यात्रियों में भगदड़ मच गई थी. जिसके बाद यात्री ट्रेन से दूसरे ट्रैक पर कूद गए और वहीं सामने आ रही पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आ गए. घटना में 4 लोगों की मौत हुई है.

जानकारी के मुताबिक खजुराहो-उदयपुर इंटरसिटी ट्रेन में आग लगने की अफवाह फैली, जिसके बाद यात्रियों में भगदड़ मच गई. इस दौरान ट्रेन से उतरने के लिए यात्रियों ने चेन पुलिंग की और पटरियों पर कूदे. जहां दूसरी तरफ से तेज रफ्तार में आ रही फिरोजपुर-सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में 4 यात्री आ गए. घटना में तीन महिला और एक बच्चे की मौत हो गई है. यह घटनाक्रम में हेतमपुर और धौलपुर रेलवे स्टेशन के बीच यह हादसा हुआ।

यह हादसा इतना तेज था कि चारों यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई है. घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है. एक महिला यात्री ने बताया कि ट्रेन में आग लगने की जानकारी फैल गई और किसी ने चेन पुलिंग कर दी. जिसके बाद घबराए लोग तुरंत ट्रेन से उतरने की कोशिश कर लगे.

घटना की सूचना मिलते ही तुरंत रेलवे के अधिकारी और पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचे. जहां शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज गया. बाकी आरपीएफ और जीआरपी घटनास्थल पर बाकी यात्रियों के सुरक्षित होने की जानकारी ले रही है. मामले में रेलवे प्रशासन ने बताया कि जांच जारी है.

अमेरिकी हमले में भारतीयों की मौत पर देशभर में गुस्सा, अमेरिकी मंत्री रुबियो ने नहीं मांगी माफी

नई दिल्ली (आरएनएस)। होर्मुज स्ट्रेट में एक टैंकर पर किए गए अमेरिकी हमले में तीन भारतीयों की मौत को लेकर देशभर में गुस्सा बढ़ रहा है. लोग यह सवाल पूछ रहे हैं कि भारत खुलकर अमेरिकी कदम का विरोध क्यों नहीं कर रहा है. उन्हें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के उस बयान से भी हैरानी हुई, जिसमें उन्होंने भारत से माफी मांगने या फिर खेद जताने की जगह पर अपने कदम को सही ठहराया.रुबियो ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों का कोई भी दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. अब लोग यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या भारत अमेरिकी उपनिवेशवाद का हिस्सा बन रहा है? स्टेट डिपार्टमेंट के मुख्य डिप्टी प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिकी नाकेबंदी का उल्लंघन और ईरानी तेल की गैर-कानूनी ढुलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी.अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा, अमेरिका के विदेश मंत्री ने जोर दिया कि सभी कमर्शियल जहाजों को अमेरिकी सेना के आदेशों का तुरंत पालन करना चाहिए।

नापाक हरकतें बंद कर दे पाकिस्तान, नहीं तो अब दाना-पानी कर देंगे बंदः राजनाथ सिंह

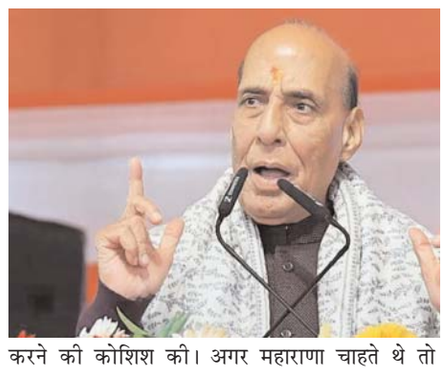

आगरा, (आरएनएस)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को उत्तर प्रदेश के आगरा में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आगरा की इस धरती पर वीरता, स्वाभिमान और देशभक्ति के अमर प्रतीक महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करके मुझे बेहद खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि देश के कोने-कोने में जहां भी महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करने के लिए मुझे आमंत्रित किया जाता है, मैं बराबर हर कार्यक्रम में पहुंचता हूं। एक कार्यक्रम को भी मैं छोड़ता नहीं हूं। मैं मानता हूं कि महाराणा प्रताप का शौर्य, त्याग और संघर्ष इतना बड़ा है कि देश उनको कभी भूल नहीं सकता। राजनाथ सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल एक राजा ही नहीं थे, बल्कि वह भारत की एक सोच के प्रतीक थे, जो किसी भी कीमत पर अपने आत्मसम्मान और मूल्यों से समझौता नहीं कर सकते थे। अकबर ने तो महाराणा प्रताप से समझौता करने की कोशिश की। अगर महाराणा चाहते थे तो अकबर के साथ समझौता कर लेते और महलों में बहुत ही सुख एवं आनंद से अपनी जिंदगी काट सकते थे, लेकिन उन्होंने महलों का कोमल बिस्तर छोड़कर पत्थरों पर सोना मंजूर किया। उन्होंने महलों का छप्पन भोग छोड़कर घास की रोटी खाकर भारत के स्वाभीमान की रक्षा की, ऐसे थे हमारे महाराणा प्रताप।

पटना में पुलिस भर्ती अभ्यर्थियों का बवाल

स्पेशल ट्रेन में की भारी तोड़फोड़, लाठीचार्ज और हवाई फायरिंग से दहला स्टेशन

पटना,(आरएनएस)। बिहार पुलिस निषेध विभाग की परीक्षा देने जा रहे अभ्यर्थियों का गुस्सा रविवार को पटना के पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर हिंसक रूप ले लिया। ट्रेन की माकूल व्यवस्था न होने का आरोप लगाते हुए नाराज छात्रों ने स्टेशन पर जमकर हंगामा किया और परीक्षा के लिए चलाई गई स्पेशल ट्रेन में भारी तोड़फोड़ की। स्थिति को बेकाबू होते देख पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को लाठीचार्ज के साथ-साथ आंसू गैस के गोले दागने पड़े और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवाई फायरिंग तक करनी पड़ी। जानकारी के अनुसार, रविवार को बड़ी संख्या में परीक्षार्थी अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए पाटलिपुत्र स्टेशन पर जमा हुए थे। इसी बीच ट्रेनों की व्यवस्था को लेकर छात्रों की नाराजगी बढ़ गई और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते यह शांतिपूर्ण प्रदर्शन उग्र हो गया और प्रदर्शनकारियों ने रेलवे संचालन को बाधित करने का प्रयास करते हुए तोड़फोड़ शुरू कर दी। घटना की भनक लगते ही पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। शुरुआत में भीड़ को समझाने की कोशिश की गई, लेकिन जब

स्थिति काबू से बाहर होने लगी, तो पुलिस को एक्शन लेना पड़ा। इस भीषण बवाल और पत्थरबाजी में आईजी समेत कई पुलिस अधिकारियों को चोटें आई हैं। एहतियात के तौर पर स्टेशन परिसर और आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इस पूरे बवाल पर पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन ने बताया कि प्रशासन को देर रात ही स्टेशन पर कुछ लोगों द्वारा हंगामा करने की सूचना मिल गई थी। प्रशासन ने लगातार छात्रों से शांति बनाए रखने और अन्य अभ्यर्थियों का सहयोग करने की अपील की।

राम मंदिर चंदा विवादः सरकार ने एसआईटी गठित की, कर्मचारी के घर से मिले 10 लाख रुपये

अयोध्या,(आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर में दान की राशि में गड़बड़ी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। विवाद बढ़ने पर राज्य सरकार ने 3 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। इसमें लखनऊ संभागीय आयुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं। वहीं, मंदिर के एक कर्मचारी के घर से 10 लाख रुपये बरामद होने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।जांचकर्ताओं ने अयोध्या के रुदौली क्षेत्र के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव के रहने वाले लवकुश के घर से 10 लाख रुपये बरामद किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, लवकुश मंदिर में चढ़ावे की राशि गिनने का काम करता था और 4-5 महीने पहले ही मंदिर से जुड़ा था।

मातृ शक्ति का आशीर्वाद बना संबल, विकास पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है म.प्र. : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

आर्थिक स्वावलंबन की नई इबारत: लाडली बहना योजना से सशक्त हो रहीं प्रदेश की महिलाएं मुख्यमंत्री ने 1.25 करोड़ लाडली बहनों के खातों में अंतरित किये 1835 करोड़ रुपए

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुन्देलखंड की धरती ने अपने गौरवशाली अतीत को संजोकर रखा है। बुन्देलखंड के वीरों ने अतीत से लेकर आज तक देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। मातृ शक्ति का आशीर्वाद सरकार के लिए संबल प्रदान कर रहा है। उनकी सहभागिता एवं नेतृत्व के माध्यम से आज मध्यप्रदेश विकास पथ पर आगे बढ़ता हुआ भारत को विकसित बनाने में अपना सहयोग दे रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर जिले के केसली में रविवार को आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लगभग 190.85 करोड़ रुपये की लागत के 53 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करते हुए शिलापट्टिका का अनावरण किया। इसमें लगभग 68.83 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 25 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं 122.02 करोड़ रुपये की लागत से 28 कार्यों का भूमि-पूजन कर लाड़ली बहना योजना की 37वीं किस्त भी जारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मातृ शक्ति का सशक्तिकरण और उनका नेतृत्व वर्तमान की आवश्यकता है और सरकार इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। लाड़ली बहना योजना तीसरे साल में प्रवेश कर रही है, जिसके माध्यम से प्रत्येक माह बहनों के बैंक खातों में राशि प्रदान की जा रही है। लाड़ली बहना योजना हमारी माताओं बहनों के आर्थिक स्वावलंबन का आधार बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इससे सुखद बात क्या हो सकती है कि लाड़ली बहना योजना से मिली राशि से बहनें अपने परिवार के संचालन में सहयोग कर रही हैं। यह उनका समर्पण है, उनका अपना त्याग है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के सामाजिक स्तर में बड़ा सुधार आया है। उन्होंने कहा कि बहनों एवं मातृशक्ति के आशीर्वाद से राज्य सरकार निरंतर विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। आज उनके मन में शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का विश्वास बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष मध्यप्रदेश सरकार कृषक कल्याण वर्ष मना रही है। इसमें किसानों के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। उनके खेतों के लिए पानी की व्यवस्था कर रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा 44 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 65 लाख हेक्टेयर तक पहुँचा गया है। सरकार का लक्ष्य इसे 100 लाख हेक्टेयर तक करने का है। जब किसान के खेत में पानी आता है तो उसके साथ उसके जीवन में बदलाव आता है। दुग्ध उत्पादन को बढावा देने के लिए भी सरकार कार्य कर रही है। जहाँ सरकार ने गौमाताओं के लिए प्रतिदिन खर्च को बढाया है, वहीं दुग्ध उत्पादन एवं खाद्य प्रसंस्करण के लिए सरकार योजनाएं चला रही है एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अनुदान दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्षों तक लगातार प्रधानमंत्री पद रहने का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की लोकल्याणकारी योजनओं के माध्यम से आज जरूरतमंदों को आवास, स्वास्थ्य सहित समस्त सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। धरती आबा योजना के माध्यम से जनजातीय समाज के कल्याण के लिए अनेक कार्य किए जा रहे है।आवासहीनों को आवास, भूमिहीनों को भूमि के पट्टे मिल रहे हैं और महिलाओं को संबल मिल रहा है।

सागर के केसली में 190 करोड़ रुपए की लागत के 53 विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन और लोकार्पण

महाराष्ट्र के सोलापुर में श्रद्धालुओं से भरा पिकअप कुएं में गिरा, आठ की मौत

सोलापुर (आरएनएस)। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां पंढरपुर इलाके में एक बड़ा हादसा हो गया है। दरअसल, श्रद्धालुओं से भरी पिकअप वैन सड़क किनारे बने कुएं में गिर गई। हादसे के समय पिकअप में कुल 15 लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि सात लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं जानकारी के मुताबिक ये सभी लोग पंढरपुर के रांजनी गाव के निवासी हैं। ये सभी लोग तीर्थयात्रा पर जा रहे थे।हादसे के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि घटना रविवार शाम को हुई है।

डंपर ने कार को आधा किलोमीटर तक घसीटा, आग का गोला बनी गाड़ी; 2 लोग जिंदा जले

जबलपुर ,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के जबलपुर-मंडला हाईवे पर एक बेहद दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा सामने आया है। यहां एक तेज रफ्तार डंपर ने एक कार को जोरदार टक्कर मार दी और उसे करीब आधा किलोमीटर तक सड़क पर घसीटता ले गया। इस खौफनाक हादसे में कार आग का गोला बन गई और अंदर फंसे दो लोगों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। यह भीषण हादसा जबलपुर शहर से करीब 30 किलोमीटर दूर बरेला कस्बे में शारदा मंदिर के पास नागा घाटी में शनिवार शाम को घटित हुआ। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रेत से भरा यह भारी-भरकम डंपर मंडला की तरफ से आ रहा था, जबकि स्कार्पियो कार जबलपुर से मंडला की ओर जा रही थी। नागा घाटी के पास डंपर चालक ने ओवरटेक करने की कोशिश में स्कार्पियो को भयंकर टक्कर मार दी। हद तो तब हो गई जब टक्कर मारने के बाद आरोपी ड्राइवर ने गाड़ी रोकने की बजाय उसे भगाना जारी रखा। इस दौरान कार करीब 500 मीटर तक सड़क पर बुरी तरह

ओमान के तट भारतीय नाविकों के मारे जाने पर प्रियंका गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को मोदी सरकार पर ओमान के तट पर एक कमर्शियल जहाज पर हमले के दौरान तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने के बाद अमेरिका की टिप्पणी पर चुप रहने का आरोप लगाया. साथ ही कहा कि अमेरिका माफी मांगने के बजाय धमकी की भाषा का सहारा ले रहा है.एक्स पर एक पोस्ट में, प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर समझौता वाला तंज भी कसा. प्रियंका गांधी ने कहा, अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की हत्या के बाद मोदी सरकार की चुप्पी शर्मनाक है. इन हत्याओं पर अफसोस जताने और माफी मांगने के बजाय, अमेरिका धमकियों और आदेशों की भाषा का सहारा ले रहा है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका को यह साफ तौर पर बताने की जरूरत है कि भारत एक संप्रभु और आजाद देश है जो अपनी संप्रभुता की रक्षा करना जानता है. उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन हमारे समझौता करने वाले प्रधानमंत्री देश के लोगों या देश की संप्रभुता की सुरक्षा पक्का करने में नाकाम हो रहे हैं।

इस मुद्दे पर कांग्रेस के कई नेताओं ने बात की है. पार्टी नेता पवन खेड़ा ने कहा कि सरकार को खाड़ी में एक कमर्शियल जहाज पर अमेरिकी हमले के लिए अमेरिका से माफी मांगने की मांग करनी चाहिए थी, जिसमें तीन भारतीय मारे गए थे. खेड़ा ने बताया कि किसी लड़ाई में किसी तीसरे देश के कमर्शियल जहाज पर हमला नहीं किया जा सकता।

मप्र में प्री-मानसून का असर तेज

70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी, 18 जून तक प्रदेश में मानसून की दस्तक संभव

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश में मानसून के आगमन से पहले ही प्री-मानसूनी गतिविधियां पूरे प्रदेश में जोर पकड़ चुकी हैं। शनिवार को राजधानी भोपाल सहित कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि दर्ज की गई। कई क्षेत्रों में हवाओं की रफ्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक रही, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ।

रविवार को भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य तिथि से 3 से 4 दिन देरी से आगे बढ़ रहा है और 18 जून के आसपास मध्य प्रदेश में प्रवेश कर सकता है। मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, मानसून के प्रदेश में पहुंचने तक प्री-मानसूनी गतिविधियां लगातार जारी रहेंगी। प्रदेश में सक्रिय ट्रफ लाइन और अन्य मौसमी सिस्टम के प्रभाव से अगले चार दिनों तक आंधी, बारिश और गरज-चमक का दौर बना रहने की संभावना है।

शिवपुरी-अशोकनगर में ऑरेंज अलर्ट, कई जिलों में बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने रविवार के लिए शिवपुरी और अशोकनगर जिलों में तेज आंधी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं ग्वालियर, गुना, दतिया, मुरैना, भिंड, श्योपुर, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा, सागर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, अनूपपुर, जबलपुर, कटनी, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी समेत कई जिलों में बारिश और गरज-चमक की संभावना जताई गई है।इसके अलावा इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, हरदा, खंडवा और बुरहानपुर जिलों में आंधी-बारिश के साथ गर्मी और उमस का असर भी बना रह सकता है।शनिवार को मौसम ने अचानक करवट ली और भोपाल, नर्मदापुरम, सीहोर, नरसिंहपुर, पचमढ़ी, पिपरिया, सागर और डिंडोरी सहित कई जिलों में तेज बारिश दर्ज की गई। नर्मदापुरम जिले के इटारसी क्षेत्र में आंधी और बारिश ने सबसे अधिक असर दिखाया। यहां एक पेड़ एंबुलेंस पर गिर गया, जबकि बिजली विभाग का एक कर्मचारी बाल-बाल बच गया। कई स्थानों पर पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर गए, बिजली लाइनें क्षतिग्रस्त हुईं और एक मेले का मुख्य प्रवेश द्वार भी तेज हवा के कारण धराशायी हो गया। पचमढ़ी में करीब आधे घंटे तक जोरदार बारिश हुई, जबकि गुना में तेज हवाओं ने लोगों को परेशानी में डाल दिया।

फर्जी हस्ताक्षर मामलाः अभिषेक बनर्जी फिर सीआईडी के सामने पेश हुए, पूछताछ जारी

कोलकाता,(आरएनएस)। विधायकों के फर्जी हस्ताक्षर मामले में सीआईडी रविवार को फिर से अभिषेक बनर्जी से पूछताछ कर रही है. तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी तय समय दोपहर 12 बजे से पहले भवानी भवन पहुंचे. उनकी गाड़ी सुबह 11:43 बजे सीआईडी हेडक्वार्टर में घुसी; अंदर जाने से पहले उन्होंने रिसेप्शन पर अटेंडेंस रजिस्टर पर हस्ताक्षर किए.विधानसभा में विपक्ष के नेता की नियुक्ति से जुड़े एक प्रस्ताव बुक पर कई विधायकों के हस्ताक्षर को लेकर विवाद खड़ा हो गया था. इस मामले में आज अभिषेक बनर्जी से फिर पूछताछ हो रही है. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सीआईडी की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के सदस्य टीएमसी सांसद से पूछताछ कर रहे हैं, जिसका नेतृत्व डीआईजी रैंक का एक अधिकारी कर रहा है. आज की पूछताछ का मुख्य उद्देश्य विधायकों के नकली हस्ताक्षर मामले में उनकी भूमिका का पता लगाना है।

राज्य सरकार प्रदेश में रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना को कर रही है प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी के सुशासन के 12 वर्ष से देशवासियों को सिंहस्थ के समान अमृत स्नान का प्राप्त हुआ अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 900 एमएसएमई यूनिट्स को 360 करोड़ रुपये से अधिक की वितरित की प्रोत्साहन राशि

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार है। छोटे उद्योग करोड़ परिवारों को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। राज्य सरकार प्रदेश में रोजगारपरक उद्योगों की स्थापना को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। हमारा उद्देश्य वर्ष 2047 तक प्रदेश में एक करोड़ एमएसएमई स्थापित करने का है। सूक्ष्म, लघु, और मध्यम उद्यम प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। हर जिले में उद्योग, हर परिवार में रोजगार और हर युवा को अवसर देना राज्य सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत, दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। जिस प्रकार हर 12 वर्ष में सिंहस्थ स्नान का अवसर मिलता है, उसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के सुशासन के 12 वर्ष से देशवासियों को अमृत स्नान का अवसर प्राप्त हुआ है। बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में एमएसएमई क्षेत्र का कायाकल्प हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में एमएसएमई उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स तथा अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक से प्रोत्साहन राशि और हितलाभ वितरण के लिए आयोजित समृद्ध एमएसएमई- विकसित मध्यप्रदेश कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुआ। इस अवसर पर प्रदेश में एमएसएमई, स्टार्ट-अप प्रोत्साहन के लिए संचालित गतिविधियों पर लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का औद्योगिक संगठनों ने किया अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से 900 एमएसएमई यूनिट्स को 360 करोड़ से अधिक की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया। साथ ही 31 मार्च 2026 तक की समस्त देयताओं का भुगतान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 6 ईटीपी निर्मित करने वाली इकाइयों को दो करोड़ 02 लाख की रुपये सहायता, विशेष पैकेज के तहत इकाइयों को एक करोड़ 07 लाख रुपये मण्डीशुल्क की प्रतिपूर्ति और 11 इकाईयों का विद्युत टैरिफ रुपए तीन करोड़ 69 लाख रुपये का वितरण सिंगल क्लिक से किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत ऋण राशि, भू-आवंटन पत्रक तथा स्टार्टअप नीति 2025 के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि का वितरण भी किया। विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष राजेश मिश्रा, अलाना ग्रुप के संस्थापक सुश्री राशि बहल मेहरा और उद्यमी कुणाल ज्ञानी ने मध्यप्रदेश में उद्यम स्थापित करने के संबंध में अपने अनुभव साझा किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डिक्की के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल सरवैया तथा उद्यमी श्रीमती प्रतिभा यादव, डॉ. सुरेश दुबे, दिनेश चंदवानी, यशराज वर्मा से संवाद भी किया।

गोविंदपुरा में सड़क किनारे खड़ी कार में अचानक लगी आग, दो युवकों ने कूदकर बचाई जान

भोपाल (निप्र)। गोविंदपुरा के शुक्रवारा मार्केट क्षेत्र में शनिवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क किनारे खड़ी एक कार अचानक आग की लपटों में घिर गई। कुछ ही पलों में कार के बोनट से उठता धुआं आग के गोले में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शाम करीब सात बजे कार से अचानक धुआं निकलना शुरू हुआ। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और कार का अगला हिस्सा धू-धूकर जलने लगा। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी।मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार का अगला हिस्सा पूरी तरह जल चुका था। गनीमत रही कि आग ने आसपास खड़े अन्य वाहनों या दुकानों को अपनी चपेट में नहीं लिया।

'फीफा विश्व कप' का जुनून, भोपाल के नन्हें खिलाड़ियों के सिर चढ़कर बोल रहा फुटबॉल का जादू

भोपाल(ए.)। दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल फुटबॉल का रोमांच इन दिनों राजधानी भोपाल में भी देखने को मिल रहा है। फीफा विश्व कप के प्रति उत्साह बच्चों से लेकर युवाओं तक के सिर चढ़कर बोल रहा है। टीटी नगर खेल स्टेडियम में फुटबॉल प्रशिक्षण ले रहे सैकड़ों बच्चों ने विश्व कप के आगाज पर उत्साहपूर्वक जश्न मनाया।बच्चे अपने पसंदीदा फुटबॉल खिलाड़ियों के नाम और नंबर वाली जर्सी पहनकर मैदान में पहुंचे। उन्होंने फुटबॉल के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और फीफा विश्व कप के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया। स्टेडियम परिसर में बच्चों ने फीफा की आकृति बनाकर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों के प्रति समर्थन भी जताया।टीटी नगर खेल स्टेडियम के मुख्य फुटबॉल कोच जयपाल सिंह ने बताया कि वर्तमान में यहां 500 से अधिक बच्चे फुटबॉल का प्रशिक्षण ले रहे हैं। हालांकि समर कैंप समाप्त होने के बाद यह संख्या घटकर लगभग 200 रह जाती है।

अब तक 1 लाख 82 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश

भोपाल(निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत द्वितीय चरण के अंतिम दिन 13 जून तक प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में 1 लाख 82 हजार 473 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त कर लिया है। द्वितीय चरण में अब तक 86 हजार 679 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जिनमें 64 हजार 535 विद्यार्थी स्नातक (U G) तथा 22 हजार 141 स्नातकोत्तर (P G) पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी हैं। इससे पूर्व प्रथम चरण में 72 हजार 477 विद्यार्थियों ने स्नातक तथा 17 हजार 463 विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया था। अब तक कुल प्रवेशित विद्यार्थियों में 1 लाख 37 हजार 12 विद्यार्थी स्नातक पाठ्यक्रमों, 39 हजार 607 विद्यार्थी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों तथा 5 हजार 854 विद्यार्थी एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले चुके हैं। एनसीटीई पाठ्यक्रमों के प्रथम चरण में आवंटित विद्यार्थियों के लिए प्रवेश शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित है।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा 15 से 19 जून तक ऑनलाइन अल्पविराम प्रशिक्षण आयोजित

भोपाल(आरएनएस)। राज्य आनंद संस्थान, मध्य प्रदेश द्वारा 15 जून से 19 जून 2026 तक 5 दिवसीय ऑनलाइन अल्पविराम प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह प्रशिक्षण प्रतिदिन सायंकाल 6 बजे से 7:30 बजे तक संचालित होगा।प्रशिक्षण में शासकीय एवं अशासकीय दोनों क्षेत्रों के व्यक्ति भाग ले सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए 18 से 45 वर्ष, 45 से 60 वर्ष तथा 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागी पात्र हैं। कार्यक्रम के लिए कुल 100 सीटें निर्धारित हैं। प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए इच्छुक आवेदक राज्य आनंद संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट https://www.anandsansthanmp.in पर जाकर ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जाएगा।

अमरकंटक ताप विद्युत गृह में 660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल इकाई निर्माण कार्य को मिली नई गति

भोपाल(आरएनएस)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (MPPGCL) द्वारा प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई में स्थापित की जा रही नई 660 मेगावाट क्षमता की सुपरक्रिटिकल ताप विद्युत इकाई के निर्माण कार्य में तेजी लाई जा रही है। परियोजना के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से मुख्य बॉयलर क्षेत्र में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) की टीम द्वारा उत्खनन (E&cavation) कार्य का शुभारंभ किया गया। उल्लेखनीय है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के प्रारंभिक चरण में अमरकंटक ताप विद्युत गृह की परियोजना टीम द्वारा उल्लेखनीय प्रयास करते हुए स्विच यार्ड क्षेत्र के बे-1 से बे-5 तक की भूमि को रिकॉर्ड समय में खाली कराकर समतलीकरण एवं अन्य साइट विकास संबंधी कार्य पूरे किए गए। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत निर्माण गतिविधियों को गति प्रदान करना संभव हो सका। पुरानी एवं बंद हो चुकी इकाइयों के स्थान पर स्थापित की जा रही यह 660 मेगावाट क्षमता की अत्याधुनिक सुपरक्रिटिकल इकाई उच्च दक्षता वाली तथा पर्यावरणीय दृष्टि से अधिक अनुकूल तकनीक पर आधारित होगी।

सामुदायिक सुरक्षा शिविरों में पुलिस अब सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं कौशल विकास की भी बना रही है मजबूत आधारशिला

सृजन महासम्मेलन में आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज की महत्वपूर्ण सहभागिता

भोपाल(निप्र)। सृजन बालिका सुरक्षा महासम्मेलन के माध्यम से मध्यप्रदेश पुलिस बच्चों और किशोरों की सुरक्षा को व्यापक सामाजिक सशक्तिकरण से जोड़ते हुए कार्य कर रही है। इस पहल का उद्देश्य केवल अपराधों से संरक्षण सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि बच्चों एवं युवाओं के स्वस्थ, शिक्षित, आत्मनिर्भर और सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए आवश्यक सहयोग एवं अवसर उपलब्ध कराना भी है। इसी दृष्टिकोण के साथ महासम्मेलन में सुरक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं कौशल विकास को विशेष प्राथमिकता दी गई।महासम्मेलन के दौरान आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। संस्थान के लगभग 30 विशेषज्ञ चिकित्सकों के दल द्वारा 300 से अधिक किशोर-किशोरियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य शिविर में सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के साथ किशोर स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, एनीमिया, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया गया।चिकित्सकों ने किशोरों से संवाद करते हुए उन्हें संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल, नशे से दूरी, सोशल मीडिया एवं स्क्रीन टाइम के संतुलित उपयोग तथा

तनाव प्रबंधन जैसे विषयों पर जागरूक किया। बालिकाओं एवं बालकों को यह भी प्रेरित किया गया कि वे स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या को छिपाने के बजाय अपने अभिभावकों, शिक्षकों एवं चिकित्सकों से खुलकर चर्चा करें। महासम्मेलन में युवाओं के भविष्य निर्माण को ध्यान में रखते हुए आईटीआई, कौशल विकास संस्थानों एवं रोजगार मार्गदर्शन विशेषज्ञों द्वारा विशेष करियर काउंसलिंग एवं कौशल विकास सत्र आयोजित किए गए। इसमें विद्यार्थियों को विभिन्न तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, स्वरोजगार के अवसरों, स्टार्टअप संभावनाओं तथा शासन की कौशल विकास योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को उनकी रुचि, योग्यता एवं क्षमताओं के अनुरूप करियर चयन के संबंध में व्यक्तिगत मार्गदर्शन भी प्रदान किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि सामुदायिक पुलिसिंग का उद्देश्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना नहीं, बल्कि समाज के बच्चों और युवाओं को ऐसा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है, जिसमें वे स्वस्थ, शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर नागरिक के रूप में विकसित हो सकें। इसी सोच के तहत सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण आयामों को एक मंच पर जोड़ने का अभिनव प्रयास किया गया है।महासम्मेलन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, कौशल विकास विशेषज्ञों तथा पुलिस विभाग की संयुक्त सहभागिता ने यह संदेश दिया कि बच्चों का सुरक्षित, स्वस्थ और सशक्त भविष्य केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता से सुनिश्चित किया जा सकता है।

मौसेरे भाई ने शादी का झांसा देकर किया रेप

लिवइन में भी रखा, अब बोला- तुम तो बहन लगती हो; पीड़िता ने दर्ज कराई FIR

भोपाल(ए.)। भोपाल के निशातपुरा थाना क्षेत्र के करोंद इलाके में एक युवती ने अपने मौसेरे भाई पर शादी का झांसा देकर तीन साल तक रेप करने का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि आरोपी लंबे

समय तक उसके साथ लिव-इन में रहा और जब उसने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी ने रिश्ता खत्म करते हुए कहा कि वह उसकी बहन लगती है, इसलिए शादी नहीं हो सकती। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शनिवार की रात दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, 23 वर्षीय युवती करोंद इलाके में किराए के मकान में रहकर मंडीदीप की एक फैक्ट्री में नौकरी करती है। उसका मौसेरा भाई भी उसके साथ ही रहता था और एक बैंक में निजी नौकरी करता था।दोनों सीहोर जिले के दोराहा क्षेत्र के रहने वाले हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जून 2023 में साथ रहने के दौरान आरोपी ने उसके साथ संबंध बनाए। विरोध करने पर उसने शादी करने का भरोसा दिया। इसके बाद आरोपी लगातार शादी का आश्वासन देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा।युवती का आरोप है कि जब भी वह शादी की बात करती थी तो आरोपी किसी न किसी बहाने से टाल देता था। कुछ समय बाद उसने शादी को लेकर फिर दबाव बनाया तो दोनों के बीच विवाद हुआ।

अब बिना ओटीपी के नहीं मिलेगा पीयूसी सर्टिफिकेट-प्रदेश में नई व्यवस्था लागू

रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी के जरिये सत्यापन जरूरी

भोपाल (ए.)। सहित पूरे मध्य प्रदेश में अब पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल (पीयूसी) सर्टिफिकेट बनवाने के लिए वाहन मालिक के मोबाइल पर आने वाले ओटीपी का सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है। बिना ओटीपी सत्यापन के कोई भी पीयूसी सर्टिफिकेट जारी नहीं होगा।नई व्यवस्था लागू होने के बाद उन वाहन मालिकों की परेशानी बढ़ सकती है, जिनके वाहन रिकॉर्ड में पुराना, गलत या बंद मोबाइल नंबर दर्ज है। ऐसे वाहन मालिकों को पहले परिवहन विभाग के रिकॉर्ड में मोबाइल नंबर अपडेट कराना होगा।सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के निर्देश पर नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) ने यह व्यवस्था लागू की है। डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर किरण शर्मा के अनुसार, अब जैसे ही किसी पीयूसी केंद्र पर वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर दर्ज किया जाएगा, सिस्टम वाहन डेटाबेस से मालिक का मोबाइल नंबर प्राप्त करेगा और उसी पर ओटीपी

भेजेगा। वाहन प्रदूषण जांच में पास होने के बाद ओटीपी सत्यापन पूरा होने पर ही प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।विभाग भविष्य में ऐसी व्यवस्था भी शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत वाहन मालिकों को पीयूसी की वैधता समाप्त होने से पहले मोबाइल संदेश भेजा जाएगा। इससे वाहन मालिक समय रहते प्रमाण पत्र का नवीनीकरण करा सकेंगे और नियम उल्लंघन से बच सकेंगे। भोपाल आरटीओ डॉ. जितेंद्र शर्मा के अनुसार राजधानी में करीब 60 पीयूसी केंद्र संचालित हैं, जहां प्रतिदिन लगभग 2500 सर्टिफिकेट जारी होते हैं। वहीं प्रदेशभर में 550 से 600 केंद्रों के माध्यम से रोजाना 22 हजार से 25 हजार पीयूसी सर्टिफिकेट बनाए जाते हैं।

एक मोबाइल नंबर से कई पीयूसी बनने पर लगेगी रोक

परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, अब तक कई मामलों में एक ही मोबाइल नंबर का उपयोग कर कई वाहनों के पीयूसी सर्टिफिकेट बनाए जा रहे थे। वाहन मालिक की वास्तविक पहचान और मोबाइल सत्यापन नहीं होने से रिकॉर्ड की शुद्धता पर सवाल उठते थे। नई व्यवस्था में वाहन के पंजीयन रिकॉर्ड में दर्ज मोबाइल नंबर पर ही ओटीपी जाएगा। इससे किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा या गलत जानकारी के आधार पर पीयूसी बनवाना आसान नहीं होगा।

विश्व रक्तदाता दिवस पर रेडक्रॉस ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित, युवाओं से आगे आने की अपील

भोपाल (ए.)। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी मध्यप्रदेश राज्य शाखा, शिवाजी नगर भोपाल द्वारा संचालित रेडक्रॉस ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 13 लोगों ने रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर रेडक्रॉस राज्य शाखा के जनरल सेक्रेटरी रामेन्द्र सिंह ने बताया कि विश्व रक्तदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 14 जून को उन स्वैच्छिक रक्तदाताओं के सम्मान में मनाया जाता है, जो निस्वार्थ भाव से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के रेडक्रॉस ब्लड बैंक सहित विभिन्न जिला इकाइयों में भी विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविरों और जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, युवा वर्ग तथा मातृशक्ति द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान कर मानव जीवन की रक्षा में अपनी भागीदारी निभाई जा रही है। रक्तदान न केवल किसी जरूरतमंद को नया जीवन देता है, बल्कि यह समाज में मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। डॉ. श्याम सिंह कुमरे, आईएएस (से.नि.) चेयरमैन रेडक्रॉस राज्य शाखा के मार्गदर्शन में जिला रेडक्रॉस इकाइयों द्वारा व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य, रक्तदान और जनकल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। श्री सिंह ने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष अधिक सक्रियता के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जो सराहनीय है।विशेषज्ञों के अनुसार एक यूनिट रक्त तीन लोगों तक की जान बचाने में सहायक हो सकता है। दुर्घटनाओं, गंभीर ऑपरेशन, प्रसूति संबंधी जटिलताओं, थैलेसीमिया, कैंसर तथा अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता पड़ती है। रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है, इसलिए स्वैच्छिक रक्तदान ही सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

एक स्वस्थ व्यक्ति सामान्यत: हर तीन माह बाद रक्तदान कर सकता है। रक्तदान से शरीर पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि इससे नए रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया को भी प्रोत्साहन मिलता है।

भोपाल में मां के सामने छोटे तालाब में डूबा किशोरः मां से पार्क घूमने की जिद की थी; नहाते समय गहरे पानी में जाने से हुआ हादसा

भोपाल (ए.)। भोपाल के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में छोटे तालाब में डूबने से 15 वर्षीय किशोर अनस कुरैशी की मौत हो गई। अनस पुत्र सोहेल कुरैशी, बढ़ वाली मस्जिद जहांगीराबाद का रहने वाला था और मुखबधिर था। शनिवार शाम उसने अपनी मां से पार्क घूमने की जिद की। मां उसे लिली टॉकीज के पास स्थित पार्क में लेकर पहुंची। मां पार्क में बैठी रही, जबकि अनस नहाने के लिए छोटे तालाब के किनारे पानी में उतर गया। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। यह देख मां ने मदद की पुकार की, आसपास मौजूद लोगों ने शोर सुनकर मदद की और उसे पानी से बाहर निकाला। उस समय तक अनस की सांसें चल रही थीं। परिजन और स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उपचार शुरू किया। देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने के बाद जहांगीराबाद पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किशोर मां के साथ पार्क घूमने आया था और नहाने के दौरान हादसे का शिकार हो गया। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

संवेदनशील और प्रभावी बाल संरक्षण के लिए तैयार होंगे सीडब्ल्यूसी सदस्य

राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

भोपाल (निप्र)। बाल संरक्षण तंत्र को अधिक संवेदनशील, प्रभावी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मध्यप्रदेश के 19 जिलों के बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के नवनियुक्त अध्यक्षों एवं सदस्यों के लिए 13 दिवसीय आवासीय इंडक्शन

प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत स्वायत्त संस्था सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान (SPNIWCD) द्वारा आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल में किया गया।एक से 13 जून 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश के 19 जिलों भोपाल, मंडला, डिंडोरी, भिंड, देवास, इंदौर, बड़वानी, खंडवा, बुरहानपुर, दतिया, हरदा, बालाघाट, दमोह, नर्मदापुरम, अनूपपुर, अशोकनगर, गुना, विदिशा और सीहोर से कुल 36 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।प्रशिक्षण के दौरान विषय विशेषज्ञों ने किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015, बाल अधिकारों, बाल संरक्षण तंत्र, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन प्रक्रियाओं तथा बाल कल्याण समितियों की वैधानिक जिम्मेदारियों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया।

पुट्टी-पुताई करने वाला बना फर्जी करोड़पति : कोठियों की तस्वीरें दिखाकर हुआ फरार, कैसे मुरैना में मिली पीड़िता?

शहडोल (ए.)। शहडोल जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर फर्जी पहचान और दिखावटी लाइफस्टाइल के जरिए एक कॉलेज छात्रा को अपने प्रभाव में लेकर साथ ले जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छात्रा को मुरैना जिले से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। वहीं आरोपी युवक फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

इंस्टाग्राम पर बनाई फर्जी पहचान

पुलिस के अनुसार, ग्वालियर जिले के मोहसान निवासी 28 वर्षीय करण धनक पुट्टी-पुताई का काम करता है। उसने इंस्टाग्राम पर "करण राजपूत" नाम से फर्जी आईडी बना रखी थी। काम के दौरान वह जिन आलीशान मकानों में जाता था, वहां तस्वीरें खिंचवाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करता था, ताकि खुद को संपन्न और रसूखदार परिवार का सदस्य साबित कर सके। इसी दिखावटी जीवनशैली से प्रभावित होकर जैतपुर की 18 वर्षीय प्रथम वर्ष की छात्रा उसके संपर्क में आ गई।

सुनियोजित तरीके से पहुंचा जैतपुर

थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि आरोपी पहले ट्रेन से ग्वालियर से शहडोल पहुंचा, फिर बस से

बुढार और ऑटो के जरिए जैतपुर आया। यहां उसने छात्रा को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। युवती के अचानक लापता होने पर परिजनों ने 6 जून को जैतपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

साइबर सेल की मदद से मिला सुराग

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। मोबाइल लोकेशन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की लोकेशन मुरैना जिले में मिली। पुलिस टीम ने आरोपी के मामा के घर दबिश देकर युवती को सुरक्षित बरामद कर लिया। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी मौके से फरार हो गया।

बयान के बाद होगी आगे की कार्रवाई

थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि युवती को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। अब न्यायालय में उसके बयान दर्ज कराए जाएंगे, जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने युवाओं से सोशल मीडिया पर अनजान लोगों की फर्जी प्रोफाइल और दिखावटी जीवनशैली से सतर्क रहने की अपील भी की है।

पटवारी ने दिया इस्तीफाः तहसीलदार पर रिश्वत और प्रताड़ना का आरोप, कार्रवाई नहीं हुई तो आत्मदाह करने की चेतावनी

शहडोल (ए.)। शहडोल जिले की जयसिंहनगर तहसील से एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक महकमे में हलचल मचा दी है। जयसिंहनगर तहसील में पदस्थ पटवारी रमेश पटेल ने प्रभारी तहसीलदार सुषमा धुर्वे पर रिश्वत मांगने और मानसिक एवं आर्थिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा संभागायुक्त (कमिश्नर) शहडोल को सौंपते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। प्रभारी तहसीलदार ने सारे आरोप निराधार बताए हैं।

पटवारी रमेश पटेल ने मीडिया से चर्चा के दौरान आरोप लगाया कि नव नियुक्त एसडीएम की व्यवस्थाओं के नाम पर प्रभारी तहसीलदार द्वारा उनसे 40 हजार रुपये की मांग की गई थी। उनका कहना है कि दबाव के चलते उन्होंने 5 हजार रुपये नकद तथा 5 हजार रुपये फोन-पे के माध्यम से दिए, लेकिन इसके बाद भी लगातार शेष राशि की मांग की जाती रही। पटवारी का आरोप है कि निर्धारित रकम नहीं देने पर पहले उनका स्थानांतरण कराया गया और बाद में उन्हें निलंबित कर दिया गया। इतना ही नहीं, निलंबन अवधि के दौरान मिलने वाला गुजारा भत्ता भी रोक दिया गया, जिससे उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ा।

रमेश पटेल का कहना है कि लंबे समय से हो रही कथित प्रताड़ना और आर्थिक परेशानियों से तंग आकर उन्होंने नौकरी छोड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 16 जून तक दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वह भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास के सामने आत्मदाह करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

आरोप निराधार

मामले में प्रभारी तहसीलदार सुषमा धुर्वे का कहना है कि पटवारी रमेश पटेल द्वारा लगाए जा रहे सारे आरोप तथ्यहीन और निराधार है। उनका स्थानांतरण प्रशासनिक आवश्यकता की दृष्टि से किया गया था। इस स्थानांतरण के खिलाफ उन्होंने न्यायालय की शरण ली थी, लेकिन वहाँ से भी उनकी याचिका खारिज कर दी गई है। उनके द्वारा लगाए जा रहे सारे आरोप निराधार है।

मुरैना में रेल हादसाः ट्रेन में आग की अफवाह सुनकर कूदे यात्री, दूसरी ट्रेन की चपेट में आए; छह लोगों की मौत

मुरैना (ए.)। मुरैना जिले के हेतमपुर और घेर रेलवे स्टेशनों के बीच रविवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैलने के बाद घबराए यात्रियों ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रोक दी। इसके बाद कुछ यात्री ट्रेन से उतरकर रेलवे ट्रैक पर आ गए और दूसरी लाइन पर आ रही पातालकोट एक्सप्रेस की चपेट में आ गए।

हादसे में तीन महिलाओं और एक मासूम बच्चे समेत कुल छह लोगों की मौत की सूचना है, जबकि कई अन्य यात्री घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि मृतकों और घायलों की संख्या को लेकर प्रशासन की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

जानकारी के मुताबिक, उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस ग्वालियर से मुरैना की ओर जा रही थी। इसी दौरान किसी यात्री ने डिब्बे में आग लगने की बात कही, जिससे बोगी में अफरातफरी मच गई। घबराए यात्रियों ने

आपातकालीन चेन खींचकर ट्रेन रोक दी और कई लोग नीचे उतर गए। इसी दौरान पास की लाइन पर धौलपुर की ओर से आ रही पातालकोट एक्सप्रेस वहां पहुंच गई और कुछ यात्री उसकी चपेट में आ गए।

घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और मुरैना पुलिस की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया तथा मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मृतकों की पहचान करने और उनके परिजनों से संपर्क करने की प्रक्रिया जारी है। इस हादसे के चलते दिल्ली-मुंबई मुख्य रेल मार्ग पर कुछ समय के लिए रेल यातायात प्रभावित रहा। कई ट्रेनों को रास्ते में रोका गया, जबकि प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गईं। बाद में ट्रैक को क्लियर कर रेल यातायात सामान्य किया गया। रेलवे प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में ट्रेन में आग लगने की पुष्टि नहीं हुई है। अधिकारियों का मानना है कि अफवाह के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस और रेलवे की टीमें सभी पहलुओं की जांच कर रही हैं।

सरकारी अस्पताल के लिए 773 करोड़ का प्रोजेक्ट, 9 मंजिला इमारत में लगेंगी हाईटेक मशीनें

इंदौर (ए.)। इंदौर के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थान महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय परिसर में बुनियादी ढांचे को बदलने की दिशा में तेजी से काम शुरू हो गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत अस्पताल की एक नई विशाल इमारत का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी कुल अनुमानित लागत लगभग 773 करोड़ रुपये आंकी गई है। लगभग 10 एकड़ के विस्तृत भूभाग पर आकार लेने वाली इस नई आधुनिक बहुमंजिला इमारत को तीन बड़े और अलग-अलग ब्लॉक के रूप में विकसित किया जाएगा।

निर्माण कार्य को गति देने के लिए प्रारंभिक चरण में ही कार्यस्थल से पुरानी मिट्टी और मलबे को हटाया जा चुका है। इसके साथ ही जमीन की भार वहन क्षमता और मजबूती का सटीक आकलन करने के लिए वहां की मिट्टी के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेज दिए गए हैं।

एक सप्ताह में दूसरा तेंदुआ सड़क हादसे का शिकार, सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल; अब तक दो की हो गई है मौत

ओंकारेश्वर(ए.)। पुनासा-सतवास-भोपाल मार्ग पर एक बार फिर तेज रफ्तार वाहनों ने वन्यजीव की जान ले ली। वन परिक्षेत्र चांदगढ़ के हनुमान मंदिर के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से एक तेंदुए की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और अमला मौके पर पहुंचा तथा जांच शुरू कर दी गई।

चिंताजनक बात यह है कि इसी वन परिक्षेत्र में एक सप्ताह पहले भी एक तेंदुआ सड़क दुर्घटना का शिकार हुआ था। लगातार दो तेंदुओं की मौत ने वन्यजीव संरक्षण की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। तेंदुआ भारत के प्रमुख वन्यजीवों में शामिल है। जंगलों की लगातार कटाई, प्राकृतिक आवास में कमी और बढ़ते मानव हस्तक्षेप के कारण इनकी संख्या पहले से ही प्रभावित हो रही है।

दो शादियां, दो सुसाइडः पति की मौत के 48 घंटे बाद पत्नी ने दो बच्चों संग खाया जहर, महिला की मौत; बच्चे गंभीर

सागर (ए.)। सागर जिले से एक दिल दहला देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां के सहोद्रा राय वार्ड में मात्र 48 घंटे के भीतर एक ही परिवार के दो लोगों ने आत्मघाती कदम उठा लिया। दो दिन पहले पति द्वारा जहर खाकर आत्महत्या करने के बाद, शनिवार को उसकी पत्नी ने भी अपने दो नाबालिग बच्चों के साथ जहर खा लिया। इस खौफनाक कदम में पत्नी की मौत हो गई, जबकि दोनों बच्चे जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है।

पहली शादी में मिला दर्द, दूसरी का भी खौफनाक अंत

मिली जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान आरती तिवारी के रूप में हुई है। आरती की यह दूसरी शादी थी। उसका पहला पति भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर चुका था। पहले पति की मौत के बाद करीब आठ महीने पहले ही आरती ने खुरई कोर्ट परिसर स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी सत्यदेव तिवारी (34) से दूसरी शादी की थी। बताया जा रहा है कि शादी के बाद से ही दोनों के बीच लगातार घरेलू विवाद चल रहा था। इसी कलह से तंग आकर बुधवार को सत्यदेव तिवारी ने जहर खा लिया था। परिजनों ने उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

इंदौर में संजय सिंह का भाजपा पर बड़ा हमला, विदेश नीति से लेकर राम मंदिर तक उठाए सवाल; क्या कहा?

इंदौर (ए.)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह एक दिवसीय दौरे पर इंदौर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आनंद मोहन माथुर सभागार में आयोजित आम आदमी पार्टी के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार, विदेश नीति, मध्य प्रदेश सरकार और राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े मुद्दों पर तीखा हमला बोला।

क्या बोले संजय सिंह?

संजय सिंह ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीय जहाजों पर किए गए हमले के मामले में प्रधानमंत्री को कड़ा रुख अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिका के सामने मजबूती से भारत का पक्ष रखना चाहिए और इस कार्रवाई का विरोध दर्ज कराना चाहिए।

उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर पर भी टिप्पणी करते हुए दावा किया कि भारतीय जहाजों पर हमले के बाद विरोध दर्ज कराने के प्रयासों को गंभीरता से नहीं लिया गया।

पश्चिम बंगाल की राजनीति पर बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के बाद विपक्षी दलों में तोड़फोड़ करती है और भ्रष्ट नेताओं को अपने दल में शामिल कर लेती है।

मध्य प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए संजय सिंह ने कहा कि प्रदेश में कई सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं और लोगों को साफ पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं।

उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली के क्षेत्र में बेहतर काम किया था। साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी मध्य प्रदेश में अपने उम्मीदवार उतारेगी और भाजपा को चुनौती देगी।

व्यापार समाचार

मस्क पर बरसे डॉलर, लेकिन क्या आप भी भारत में बैठकर खरीद सकते हैं स्पेसएक्स और टेस्ला के शेयर?

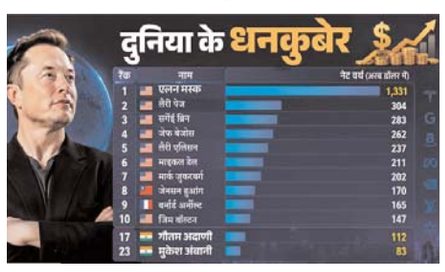

नई दिल्ली(ए.)। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने अपने ऐतिहासिक आईपीओ से 75 अरब डॉलर जुटाए हैं और कंपनी का वैल्यूएशन 2.1 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। इस शानदार शुरुआत के साथ ही मस्क 1.1 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के पहले 'ट्रिलियनेयर' बन चुके हैं। इस तूफानी संपत्ति सृजन को देखकर हर निवेशक मस्क की कंपनियों (टेस्ला, स्पेसएक्स, &AI, स्टारलिंक) का हिस्सा बनना चाहता है। अच्छी खबर यह है कि वैश्वीकरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के दौर में कोई भी भारतीय नागरिक कानूनी रूप से अमेरिकी शेयर बाजार में निवेश कर सकता है।

1. क्या एक आम भारतीय निवेशक स्पेसएक्स और टेस्ला के शेयर सीधे खरीद सकता है?

हां, बिल्कुल। भारतीय निवेशक इंडमनी, वेस्टेड, या एचडीएफएस सिक्योरिटीज जैसे डिजिटल निवेश प्लेटफार्मों या अमेरिकी ब्रोकरेज फर्मों के जरिए अमेरिकी एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध शेयरों की सीधे खरीद कर सकते हैं। अमेरिकी बाजार की सबसे बड़ी खासियत 'आंशिक शेयर' की सुविधा है। इसका मतलब है कि अगर स्पेसएक्स का शेयर 160 डॉलर (करीब 15,232 रुपये) का है, तो आपको पूरा शेयर खरीदने की जरूरत नहीं है; आप मात्र 10 डॉलर (लगभग 950 रुपये) लगाकर भी उसका एक छोटा अनुपातिक हिस्सा खरीद सकते हैं। इसके अलावा, आपके निवेश को अमेरिका के एसआईपीसी की ओर से 5,00,000 डॉलर तक का बीमा कवर भी मिलता है।

2. रिजर्व बैंक के किस नियम के तहत विदेश में पैसा लगाया जा सकता है?

कोई भी भारतीय मनमाने ढंग से पैसा विदेश नहीं भेज सकता। इसके लिए रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (एफईएमए) के तहत 'उदारीकृत प्रेषण योजना' (एलआरएस) लागू की है। इस योजना के तहत कोई भी निवासी भारतीय (नाबालिग सहित) एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 2,50,000 अमेरिकी डॉलर बिना किसी पूर्व अनुमति के विदेश भेज सकता है। यह सीमा प्रति पैन कार्ड लागू होती है, यानी चार सदस्यों वाला परिवार मिलकर साल में 1 मिलियन डॉलर तक का निवेश कर सकता है।

3. निवेश के लिए पैसा भेजते समय किन फॉर्म और कोड का ध्यान रखना होगा?

जब आप अपने भारतीय बैंक खाते से अमेरिकी ब्रोकरेज खाते में रुपये भेजते हैं, तो उसे 'आउटवर्ड रेमिटेंस' कहा जाता है। इस प्रक्रिया में 'फॉर्म A2' भरना एक अनिवार्य कानूनी आवश्यकता है, जिसमें यह घोषणा करनी होती है कि धन वैध स्रोतों से है और किसी प्रतिबंधित काम में इस्तेमाल नहीं होगा।

वैश्विक संकेतों, फेड निर्णय और कच्चे तेल के रुख से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- विश्लेषकों की निगाहें महंगाई आंकड़ों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की घोषणा और भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी निर्णय और कच्चे तेल की कीमतों के रुख से निर्धारित होगी। विश्लेषकों का कहना है कि मई के महंगाई आंकड़े और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित समझौते जैसे भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। स्थानीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रमों से भरा रहने वाला है, जिनकी बदौलत बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने राय जताई है कि घरेलू स्तर पर मई माह के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे। वैश्विक स्तर पर 16-17 जून को होने वाली अमेरिकी फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक और उसके निर्णय पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बाजार भागीदार फेडरल रिजर्व की टिप्पणियां, महंगाई के दृष्टिकोण, आर्थिक वृद्धि के अनुमान और भविष्य में ब्याज दरों में कटौती के संकेतों का विश्लेषण करेंगे। इसके अतिरिक्त अमेरिका और ईरान के बीच रविवार को संभावित शांति समझौता बाजार के लिए एक अहम भू-राजनीतिक घटनाक्रम होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समझौते पर हस्ताक्षर और रणनीतिक महत्व वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी के लिए तुरंत खोलने की बात कही है, हालांकि असफल होने पर नए हमलों की संभावना का संकेत भी दिया है।

बाजार में लौटी मजबूती : आठ दिग्गज कंपनियों की दौलत में 1.90 लाख करोड़ रुपये का उछाल, निवेशकों का भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली (ए.)।भारतीय शेयर बाजार में पिछले सप्ताह आई तेजी का सीधा फायदा देश की सबसे बड़ी कंपनियों को मिला। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और दूरसंचार क्षेत्र की कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खास तौर पर आईसीआईसीआई बैंक सबसे बड़ा लाभ कमाने वाली कंपनी बनकर उभरा। बाजार में सकारात्मक माहौल, वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने की उम्मीद और भारतीय रिजर्व बैंक के कुछ कदमों ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया, जिसका असर शेयरों की कीमतों पर भी दिखाई दिया।

बाजार में तेजी क्यों आई और निवेशकों का भरोसा कैसे बढ़ा?

पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 1,284.61 अंक यानी 1.73 प्रतिशत मजबूत हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी में 256.2 अंकों यानी एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक माहौल में सुधार और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उठाए गए कदमों से निवेशकों का विश्वास बढ़ा। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीद से भू-राजनीतिक तनाव कम होने और ऊर्जा बाजार में स्थिरता आने की संभावना बनी, जिससे निवेशकों का रुझान शेयर बाजार की ओर बढ़ा। इसी का असर बड़ी कंपनियों के बाजार मूल्य पर भी देखने को मिला।

किन कंपनियों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ?

सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक को हुआ, जिसके बाजार पूंजीकरण में 56,223 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और इसका कुल मूल्य 9.61 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 38,571 करोड़ रुपये बढ़कर 11.89 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

भारतीय स्टेट बैंक को भी 36,137 करोड़ रुपये का लाभ हुआ। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार मूल्य में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज 17.49 लाख करोड़ रुपये के बाजार मूल्य के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

स्थितियां और कठिन

पुलिस के निशाने पर वे कॉन्सर्ट्स हैं, जहां शराब की आड़ में ड्रग्स के सेवन का आरोप है। अब प्रशासन ने नो-अल्कोहल की शर्त लगा दी है, तो इन इवेंट्स की चमक भी चली गई है। तकरीबन डेढ़ साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉन्सर्ट इकॉनमी की चर्चा करते हुए संदेश दिया था कि भारत में लाइव म्यूजिक और अन्य इवेंट्स की अपार संभावनाएं हैं। उसके बाद इस वर्ष संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में सरकार ने इस क्षेत्र को विकास के एक उभरते इंजन के रूप में पेश किया। रिपोर्ट में इसे ऑरेंज इकॉनमी का हिस्सा बताया गया। इसका जिक्र किया गया कि 2024 में भारत का लाइव एंटरटेनमेंट सेक्टर 10,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया। कोल्डप्ले, डुआ लिपा, लिनकिन पार्क, मरून-5 आदि जैसे बैंड्स और ए.पी. ढिल्लन, दलजीत दोसांज आदि जैसे कलाकारों के इवेंट्स में उमड़ रही भीड़ से इस उद्योग के और फूलने-फलने की आस जोड़ गई थी।लेकिन हालिया घटनाओं से इस कथित इंडस्ट्री की चमक फीकी पड़ गई है। इस कारोबार के गढ़ मुंबई में गुजरे अप्रैल में एक इवेंट के दौरान नशे के ओवरडोज से दो छात्रों की मौत की खबर ने अधिकारियों के कान खड़े कर दिए। पुलिस कार्रवाई शुरू हुई। उससे घटनाओं का जो सिलसिला चला, उस कारण कई तय इवेंट अचानक रद्द करने पड़े। इससे तय कार्यक्रमों को लेकर अनिश्चय का माहौल बन गया है। बताया जाता है कि आयोजकों को करोड़ों रुपये का नुकसान हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय शोहरत के जिन कलाकारों के कार्यक्रम तय किए गए, उनको लेकर अनिश्चय घिरा हुआ है। पुलिस कार्रवाई के निशाने पर मुख्य रूप से वे आउटडोर इवेंट्स हैं, जिनके बारे में आरोप है कि शराब की आड़ में वहां मादक पदार्थों का सेवन किया जाता है। जानकारों का कहना है कि चूंकि अब प्रशासन ने नो-अल्कोहल की शर्त लगा दी है, तो इन इवेंट्स की चमक भी चली गई है। ये चेतावनी पहले ही दी गई थी कि भारत में बड़े पैमाने पर कॉन्सर्ट आयोजित करने के लिए पर्याप्त आधुनिक स्टेडियम या ऑडिटोरियम नहीं हैं। भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा मानकों पर अमल की चुनौती भी है। ये सब किए बिना कॉन्सर्ट इकॉनमी का गुणगान शुरू कर दिया गया। अब मुश्किलें सिर चढ़ कर बोल रही हैं। ईरान युद्ध से बढ़ी महंगाई ने स्थितियां और कठिन बना दी है।

सोमवती अमावस्या : श्रद्धा, विश्वास और लोकजीवन की आस्था का महापर्व

कांतिलाल मांडोत /

14भारतीय संस्कृति में तिथि, पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते, बल्कि वे समाज की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक चेतना के जीवंत प्रतीक भी होते हैं। इन्हीं महत्वपूर्ण पर्वों में सोमवती अमावस्या का विशेष स्थान है। जब अमावस्या तिथि सोमवार के दिन पड़ती है, तब उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। वर्ष 2026 में यह पावन अवसर 15 जून को मनाया जा रहा है। इस दिन अमावस्या, सोमवार, पितृ स्मरण, शिव आराधना तथा दान-पुण्य य का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

सोमवती अमावस्या का लोकजीवन में बहुत बड़ी अहमियत है। श्रद्धा और विश्वास के साथ जुड़ी यह तिथि लोगों के उल्लास, आस्था और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, मंदिरों में पूजा-अर्चना करते हैं तथा दान-पुण्य के माध्यम से समाज और धर्म के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हैं।

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि को पितरों के स्मरण और तर्पण का दिन माना गया है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए तर्पण, श्राद्ध और दान से पितृ प्रसन्न होते हैं तथा अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। जब यही अमावस्या सोमवार को आती है, तब इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि सोमवार भगवान शिव की उपासना का विशेष दिन माना गया है। इस प्रकार सोमवती अमावस्या पितृ पूजा और शिव भक्ति का अनूठा संगम बन जाती है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन प्रात:काल ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करने का विशेष महत्व है। यदि गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान का अवसर प्राप्त हो जाए तो इसे अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। जो लोग तीर्थस्थलों तक नहीं पहुंच पाते, वे घर पर स्नान के जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करते हैं। स्नान के पश्चात भगवान शिव और माता पार्वती की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित किए जाते हैं तथा सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की जाती है।

सोमवती अमावस्या पर पीपल वृक्ष की पूजा का भी विशेष महत्व है। भारतीय परंपरा में पीपल को देववृक्ष माना गया है। मान्यता है कि इसमें देवताओं का वास होता है। महिलाएं और पुरुष पीपल के वृक्ष की पूजा कर उसकी परिक्रमा करते हैं तथा परिवार के सुख, स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हैं। यह परंपरा केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण का भी संदेश देती है। भारतीय संस्कृति ने वृक्षों को पूजनीय बनाकर पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी बढ़ावा दिया है।

लोकजीवन में सोमवती अमावस्या केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं का भी पर्व है। इस दिन दान-पुण्य करने की परंपरा लोगों को जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करती है। अन्न, वस्त्र, फल, मिठाई, अनाज और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान करके लोग समाज के कमजोर वर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। इससे सामाजिक सद्भाव और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

भारत के विभिन्न राज्यों में सोमवती अमावस्या को अलग-अलग परंपराओं और रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। कहीं विशाल मेले लगते हैं तो कहीं धार्मिक यात्राएं निकाली जाती हैं। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होता है और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बन जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा जाता है। परिवार के सदस्य एक साथ पूजा करते हैं और धार्मिक आयोजनों में भाग लेते हैं। इससे पारिवारिक एकता और सामाजिक जुड़ाव को भी बल मिलता है।

महिलाओं के लिए भी सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व माना गया है। अनेक महिलाएं इस दिन व्रत रखती हैं और अपने परिवार की सुख-समृद्धि तथा पति की दीर्घायु के लिए भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करती हैं। धार्मिक विश्वास है कि श्रद्धा और भक्ति से किया गया व्रत जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और मंगलकारी फल प्रदान करता है।

वर्ष 2026 की सोमवती अमावस्या को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इस दिन कई शुभ संयोग एक साथ बन रहे हैं। सोमवार के दिन पड़ने वाली अमावस्या, ज्येष्ठ अधिक मास का समापन और मिथुन संक्रांति जैसे योग इस दिन के धार्मिक महत्व को और अधिक बढ़ा रहे हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से भी इसे पुण्यकारी अवसर माना जा रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए जप, तप, दान और पूजा का फल सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक प्राप्त होता है।

सोमवती अमावस्या हमें अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी प्रदान करती है। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में जहां लोग अपनी परंपराओं और मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं, वहीं ऐसे पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। पितरों का स्मरण केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अपनी विरासत, परिवार और संस्कारों के प्रति सम्मान प्रकट करने का माध्यम है।

आज के समय में जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा जीवन का प्रमुख हिस्सा बनती जा रही है, तब सोमवती अमावस्या जैसे पर्व हमें आध्यात्मिकता, सेवा, दया और परोपकार का संदेश देते हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि जीवन केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, परिवार और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियां भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं।

ग्रेट निकोबार: भारत की समुद्री रणनीति का प्रमुख केंद्र

एडमिरल डी. के. जोशी

जो राज्य अपनी सीमाओं, साझेदारियों और व्यापार मार्गों की सुरक्षा नहीं करता, वह अपने भविष्य को भी सुरक्षित नहीं रख सकता।

– कौटिल्य

कौटिल्य की यह सीख सदियों पहले ही शासन और रणनीति की मूल सोच का हिस्सा बन चुकी थी, और आज के समय में यह पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक होकर सामने आई है। आज देशों की परीक्षा केवल उनकी अर्थव्यवस्था के आकार या सैन्य ताकत से नहीं हो रही, बल्कि इस बात से हो रही है कि वे भूगोल को कितनी अच्छी तरह समझते हैं, भविष्य का कितना सही अनुमान लगाते हैं और अवसर के खतरे में बदलने से पहले कितनी तेजी से निर्णय लेते हैं। ग्रेट निकोबार भारत के लिए ऐसी ही एक बड़ी परीक्षा है।

यह भारतीय मानचित्र के दक्षिणी-पूर्वी छोर पर स्थित एक दूरस्थ द्वीप जैसा प्रतीत होता है। ऐसी जगह जिसे दशकों से लगभग अछूता छोड़ दिया गया है और जिसे वैसे ही रहने देना चाहिए। परंतु ग्रेट निकोबार भारत की अग्रिम समुद्री चौकी है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के समीप स्थित यह द्वीप दुनिया की ओर भारत की सबसे अहम सामरिक अवसर में से एक है।

अत: ग्रेट निकोबार के प्रस्तावित विकास को केवल एक अवसंरचना परियोजना के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह केवल एक बंदरगाह, हवाई अड्डा, टाउनशिप या बिजली संयंत्र बनाने का प्रश्न नहीं है। यह वास्तव में इस बात की सामरिक परीक्षा है कि क्या भारत अपनी इस दुर्लभ भौगोलिक बढ़त को राष्ट्रीय शक्ति में बदलने के लिए तैयार है।

सदियों से हिंद महासागर ने भारत की नियति को आकार दिया है। इसी समुद्री क्षेत्र ने हमारे व्यापार, हमारे विचारों और हमारे सभ्यतागत प्रभाव को विश्व भर में पहुंचाया, परन्तु कई बार यही हमारी कमजोरियों का कारण भी बना। तथापि, स्वतंत्रता के पश्चात् लंबे समय तक भारत की सामरिक सोच मुख्य रूप से स्थल-आधारित रही।

यह निर्विवाद है कि ग्रेट निकोबार अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक स्थान है। यह अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह के सबसे बड़े द्वीपों में से एक है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 910 वर्ग किलोमीटर है। प्रस्तावित परियोजना का कुल क्षेत्रफल 166.10 वर्ग किलोमीटर है, जो सम्पूर्ण द्वीपसमूह के कुल क्षेत्रफल का केवल लगभग 2 प्रतिशत है। इसमें से 130.75 वर्ग

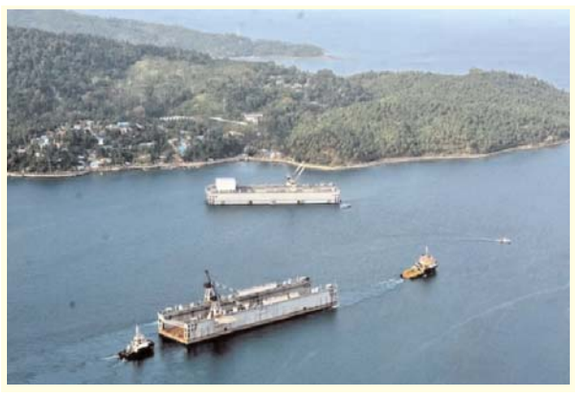

किलोमीटर वन भूमि को परियोजना के लिए उपयोग में लाने का प्रस्ताव है, जो द्वीप समूह के कुल वन क्षेत्र का लगभग 1.82 प्रतिशत है।

यह दक्षिण-पूर्व एशिया के निकट स्थित है तथा मलक्का स्ट्रेट, 60 चैनल, सुंडा स्ट्रेट और लोम्बोक स्ट्रेट जैसे प्रमुख वैश्विक समुद्री मार्गों के समीप आता है। वास्तविक सामरिक दृष्टि से देखें तो यह भारत की पूर्वी समुद्री चौकी है।इसका महत्व तब और स्पष्ट हो जाता है जब इसे केवल भूभाग के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि महासागरीय रणनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य से देखा जाए। कल्पना कीजिए उन जहाजों की, जो अदन की खाड़ी से मलक्का स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे हैं, ऊर्जा से भरे मालवाहक जहाज, जो पश्चिम एशिया और अफ्रीका से पूर्वी एशिया की ओर जा रहे हैं, एशिया, अफ्रीका और यूरोप को जोड़ने वाला कंटेनर यातायात तथा नौसैनिक संसाधन, निगरानी मंच और लॉजिस्टिक श्रृंखलाएँ, जो इन जलमार्गों से होकर गुजर रही हैं।हिंद महासागर अब शांत समुद्र नहीं रहा। यह तेजी से एक भीड़भाड़ वाले सामरिक क्षेत्र में बदल रहा है। ऊर्जा आपूर्ति, कंटेनर यातायात, नौसैनिक तैनाती, द्वीपीय सुविधाएं, समुद्र के नीचे बिछी केबलें और समुद्री निगरानी अब एक बड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बन चुकी हैं। यह शायद मुख्य भूमि पर बैठे कई लोगों को दिखाई न दे, परन्तु देशों के भविष्य के लिए यह बेहद निर्णायक है।

हाल की एक महत्वपूर्ण प्रगति यह है कि अंडमान सागर को थाईलैंड की खाड़ी से जोड़ने वाली दशकों पुरानी कैनल परियोजना को स्थगित कर दिया गया है। इसके स्थान पर अब लगभग 90 किलोमीटर लंबे मल्टी-मोडल लैंड ब्रिज की योजना अंतिम स्वीकृति की प्रतीक्षा में है। यह परियोजना टेंथ पैरेलल के साथ दो नव-डिज़ाइन किए गए गहरे समुद्री बंदरगाहों को जोड़ेगी — एक अंडमान सागर के किनारे रणोंग में और दूसरा थाईलैंड की खाड़ी के किनारे चुम्फोन में। इसके साथ दोहरी ट्रैक्स वाली उच्च गति रेल, बहु-लेन सड़क, तेल एवं गैस के लिए ऊर्जा पाइपलाइनें तथा वायु एवं डिजिटल ग्रिड भी प्रस्तावित हैं। ये सभी कारक मिलकर इंडो-पैसिफिक व्यापार मार्गों को पूरी तरह पुनर्परिभाषित कर रहे हैं और आर्थिक शक्ति का केंद्र सीधे अंडमान बेसिन की ओर स्थानांतरित कर रहे हैं।

मलक्का स्ट्रेट विश्व के सबसे महत्वपूर्ण सामुद्रिक चोकपॉइंट्स में से एक है। यह हिंद महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ता है और अत्यंत मूल्यवान ऊर्जा संसाधनों (तेल और एलएनजी) तथा वैश्विक व्यापार का प्रमुख मार्ग है। ग्रेट निकोबार की गलाथिया खाड़ी 60 चैनल से लगभग 45 किलोमीटर दूर है, जो मलक्का स्ट्रेट को अफ्रीका, मध्य पूर्व और यूरोप की ओर जाने वाले समुद्री मार्गों से जोड़ती है। अनुमान है कि हर साल लगभग एक लाख जहाज मलक्का स्ट्रेट 60 चैनल मार्ग से गुजरते हैं।

मलक्का, सुंडा और लोम्बोक जैसे सामरिक चोकपॉइंट्स के निकट स्थित होने के कारण यह द्वीप भारत को अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक बढ़त प्रदान करता है। कोई भी गंभीर सामुद्रिक शक्ति ऐसे भौगोलिक तथ्यों की उपेक्षा करने का जोखिम नहीं उठा सकती। हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में अनेक शक्तिशाली देश बंदरगाहों, लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं, समुद्री पहुँच सुविधाओं, नौसैनिक संसाधनों, निगरानी प्रणालियों और आर्थिक गलियारों के माध्यम से निरंतर अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं। भारत का उत्तर संकोचपूर्ण नहीं हो सकता। उसका उत्तर सामरिक सुदृढ़ीकरण होना चाहिए। संप्रभुता केवल मानचित्र पर सीमाएँ खींच देने से सुदृढ़ नहीं होती। वह तब सशक्त होती है जब कोई भूभाग जुड़ा हुआ, आबाद, सुविधायुक्त, उत्पादक और सामरिक रूप से उपयोगी बनता है। अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, टाउनशिप और विद्युत संयंत्र अलग-अलग परियोजनाएँ नहीं हैं। ये सभी मिलकर उस पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) का निर्माण करते हैं, जिसकी सहायता से भारत एक निर्णायक सामुद्रिक स्थान पर विश्वसनीय, सतत और बहुआयामी उपस्थिति बनाए रख सकता है।

दक्षिण की फिल्में कहानी से शुरू होती हैं, बॉलीवुड स्टार से शुरू होता है

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब कोई फिल्म अपनी मिट्टी की गहराइयों से जन्म लेती है, तब वह केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह जाती; वह अपने समय और समाज का जीवंत महाकाव्य बन जाती है। दक्षिण भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा सामर्थ्य यही है कि वह कहानी को केंद्र में रखता है। वहां पहले कथा जन्म लेती है और फिर उसी कथा के भीतर से नायक उभरता है। किरदार मिट्टी से निकलते हैं, उनकी धड़कनों में लोकजीवन की लय बसती है और उनकी आंखों में पीढ़ियों के सुख-दु:ख झलकते हैं। वहीं बॉलीवुड की शुरुआत आजकल स्टार से होती है — पहले चेहरा तय, फिर उसके एंट्री शॉट्स, उसके कपड़े, उसके डायलॉग और अंत में व्यक्तित्व के अनुरूप कथानक गढ़ा जाता है। नतीजा यह कि साउथ की फिल्में दिल की गहराई तक उतर जाती हैं, जबकि बॉलीवुड की फिल्में सतह पर चमककर रह जाती हैं। साउथ का गांव जब पर्दे पर बोलता है, तो उसकी आवाज़ में सदियों की स्मृति, आस्था और संघर्ष की गूंज सुनाई देती है। कांताराज़, पेड्डीज़, पुष्पाज़ या जेलरज़ जैसी फिल्मों में गांव केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि एक सजीव, सांस लेता हुआ चरित्र है। वहां की मिट्टी की महक, लोकदेवताओं में विश्वास, परंपराओं की शक्ति और आम आदमी का संघर्ष — सब दर्शक की रगों में उतर जाता है। दर्शक महसूस करता है कि वह फिल्म नहीं देख रहा, बल्कि अपनी सांस्कृतिक आत्मा को पुन: खोज रहा है। इसके उलट बॉलीवुड का शहर रोशनी से भरा होकर भी भीतर से खाली लगता है; वहां चमक है, पर संवेदना नहीं—चेहरे दिखते हैं, पर किरदार दिल में नहीं बसते। सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि बॉलीवुड स्वयं अब इस सच्चाई को स्वीकार करने लगा है। वह दक्षिण की मूल कहानियों को हिंदी में डब करके या रीमेक बनाकर पेश कर रहा है और वे फिल्में ब्लॉकबस्टर साबित हो रही हैं। च्द्दश्यमज़, च्चेलरज़ और च्केजीएफज़ जैसी फिल्में हिंदी डब्ड वर्जन में जबरदस्त सफलता पा चुकी हैं। बॉलीवुड की अनेक बड़े स्टार स्टूडियो अब साउथ की पटकथाओं पर निर्भर हो गए हैं क्योंकि उन्हें अपनी मिट्टी से कहानियाँ निकालने की कला लगभग खो चुकी है।

मेष- कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

वृष- मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी।

मिथुन- स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

कर्क- पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

सिंह- कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्क्षचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है।

कन्या- पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा।

तुला- शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

वृश्चिक- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

धनु- मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं

मकर- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें।

कुम्भ- हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें।

मीन- व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा।

खाद्य हानि से खाद्य नेतृत्व की ओर: दक्षिण एशिया के लिए अगला बड़ा अवसर है खाद्य प्रसंस्करण

चिराग पासवान

दक्षिण एशिया खाद्य प्रणालियों की अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। समृद्ध कृषि-जैव विविधता वाला एक प्रमुख क्षेत्र होने के बावजूद, खेत से उपभोक्ता तक पहुँचने की प्रक्रिया में अभी तक बहुत अधिक मूल्य नष्ट हो जाता है—जो किसानों, रोजगार और पोषण के लिए एक चूका हुआ अवसर है।

भारत इस विरोधाभास का स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, भारत दूध और दालों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक तथा फल और सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके बावजूद, कटाई के बाद की प्रक्रियाओं, भंडारण, लॉजिस्टिक्स और प्रसंस्करण में मौजूद कमियों के कारण खाद्य पदार्थों की बड़ी मात्रा में हानि होती रहती है। इससे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) सहित वैश्विक विकास प्राथमिकताओं की दिशा में होने वाली प्रगति प्रभावित होती है। यह केवल अक्षमता भर नहीं है, बल्कि चूका हुआ अवसर भी है। बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थों का प्रत्येक टन, किसानों की खोई हुई आमदनी, युवाओं के लिए खोए हुए रोजगार के अवसर और परिवारों के लिए खोए हुए पोषण का प्रतीक है। इसलिए, इस हानि को मूल्य में बदलना अब एक क्षेत्रीय प्राथमिकता बन जाना चाहिए।

खाद्य प्रसंस्करण मूल्यवर्धित कृषि की संभावनाओं का पता लगाने की कुंजी है। यह खेतों को बाजारों से, किसानों को उद्योगों से तथा स्थानीय उत्पादन को क्षेत्रीय और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़ता है। इस प्रकार, यह कृषि और व्यापक आर्थिक परिवर्तन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है।

मात्रा से मूल्य की ओर

दशकों से कृषि नीतियों का मुख्य उद्देश्य उत्पादन बढ़ाना और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा है। इस प्रयास ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में लाभ दिलाएं हैं। लेकिन अब अगले चरण में मूल्य सृजन, रोजगार के अवसरों के सृजन, किसानों की आय में वृद्धि और पोषण संबंधी परिणाम बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत में, वर्तमान में कृषि उपज का केवल लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा ही प्रसंस्कृत किया जाता है। क्षेत्र की पूर्ण आर्थिक क्षमता का लाभ उठाने के लिए इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 2030 तक लगभग 25 प्रतिशत करना आवश्यक है। साथ ही, कटाई के बाद होने वाली खाद्य हानियों को कम करना और प्रसंस्करण से जुड़े तंत्रों को मजबूत बनाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगा, ताकि अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक मूल्य बना रहे। खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों की भंडारण अवधि बढ़ाता है, खाद्य सुरक्षा में सुधार करता है तथा नए और घरेलू निर्यात बाजारों तक पहुँच के अवसर प्रदान करता है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह आर्थिक मूल्य के बड़े हिस्से को उत्पादक देशों के भीतर ही बनाए रखने में मदद करता है, जिससे किसानों, उद्यमों और ग्रामीण समुदायों को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है।

बाज़ार आधारित मूल्य श्रृंखलाओं को आकार देना

इस परिवर्तन को सफलतापूर्वक साकार करने के लिए मूल्य श्रृंखला के प्रत्येक चरण —उत्पादन और संग्रहण से लेकर प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और बाज़ार तक पहुँच सुनिश्चित करने में समन्वित निवेश की आवश्यकता होगी। गुणवत्ता, सुरक्षा, ट्रेसबिलिटी तथा लागत-प्रभावशीलता के प्रति उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अधिक एकीकृत और समग्र दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य होगा।

दक्षिण एशिया की समृद्ध कृषि-जैव विविधता उच्च मूल्य वाले उत्पादों के विकास की अपार संभावनाएँ प्रदान करती है, विशेषकर ऐसे समय में जब वैश्विक मांग अधिक विविधतापूर्ण, पौष्टिक और विशिष्ट खाद्य उत्पादों की ओर बढ़ रही है। साथ ही, डिजिटल समाधान ट्रेसबिलिटी को मजबूत करने, गुणवत्ता मानकों में सुधार लाने और लगातार जटिल होते वैश्विक बाज़ारों में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इसमें सार्वजनिक निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन इसे निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। निवेश को बड़े पैमाने पर आकर्षित करने के लिए व्यावसायिक वातावरण को मजबूत बनाना, जोखिमों को कम करना तथा प्रभावी सार्वजनिक-निजी साझेदारी को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक होगा।

भारत ने इस दिशा में पहले ही प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना तथा उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना जैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए ज़रूरी कदम उठाए हैं। ये कदम बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने, कोल्ड चेन नेटवर्क का विस्तार करने और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जिससे अधिक गतिशील, प्रतिस्पर्धी क्षेत्र के लिए नींव रखी जा रही है।

रोजगार के अवसर वहीं, जहाँ उनकी सर्वाधिक आवश्यकता है

खाद्य प्रसंस्करण केवल आर्थिक दक्षता के बारे में ही नहीं है—यह आजीविका से भी जुड़ा हुआ है। पूरे दक्षिण एशिया में लाखों युवा हर वर्ष श्रम बाज़ार में प्रवेश करते हैं, जबकि कृषि क्षेत्र अकेले अब इस बढ़ती हुई श्रम शक्ति को समाहित करने में सक्षम नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सर्बिया के राष्ट्रपति वुसिक को कहा धन्यवाद, दोस्ती मजबूत करने पर दिया जोर

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के दौरे पर हैं। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से सर्बिया के राष्टपति अलेक्जेंडर वुसिक को धन्यवाद दिया। राष्टपति अलेक्जेंडर वुसिक ने पीएम मोदी को भारत का सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी थी। अलेक्जेंडर वुसिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने वाले नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा, देश के सर्वोच्च पद पर इतने लंबे समय तक बने रहना इस बात का प्रमाण है कि जनता को अपने नेता पर कितना भरोसा है। उन्होंने अपना जीवन लोगों की सेवा और देश की प्रगति के लिए समर्पित किया है। किसी नेता की असली ताकत सिर्फ उसके पद पर बिताए गए वर्षों या जीते गए चुनावों से नहीं मापी जाती, बल्कि उस विरासत, उपलब्धियों और दूरदर्शी सोच से मापी जाती है जो वह पीछे छोड़ जाता है। उन्होंने कहा, मुझे हमारी हाल की मुलाकात की याद बहुत खास लगती है, जो आपसी समझ और सम्मान से भरी हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के दौरान मैंने एक अनुभवी राजनेता की समझ और ऐसे नेता की सोच को महसूस किया जो आधुनिक दुनिया की चुनौतियों को अच्छी तरह समझता है और साथ ही परंपरा, पहचान और राष्ट्रीय हितों को महत्व देता है। राष्ट्रपति वुसिक ने कहा कि अनुभव, दूरदृष्टि और भारत के प्रति समर्पण का यही अनोखा मेल प्रधानमंत्री मोदी को ऐसा नेता बनाता है जिसकी आवाज दुनियाभर में सुनी और सम्मानित की जाती है

बेंगलुरु में खौफनाक वारदात, चरित्र पर शक के चलते प्रेमी ने सिक्किम की युवती का गला रेता

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में सिक्किम की रहने वाली 22 साल की एक महिला की उसके बॉयफ्रेंड ने कथित तौर पर हत्या कर दी।मृतक महिला की पहचान अति हंगमा सुब्बा के तौर पर हुई है, जो एक सैलून में रिसेप्शनिस्ट का काम करती थी। आरोपी दार्जिलिंग का रहने वाला पूर्बा लेपचा है जो एक होटल में वेटर का काम करता था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह कपल रिलेशनशिप में था और करीब एक महीने पहले बेंगलुरु आया था। वे डोड्डाकन्नाहल्ली में साथ रह रहे थे।पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह दोनों के बीच बहस हुई, क्योंकि आरोपी को शक था कि महिला का किसी और व्यक्ति के साथ संबंध है। बहस के दौरान पूर्वा लेपचा ने कथित तौर पर रसोई के चाकू से अति हंगमा सुब्बा पर हमला किया और उसका गला रेत दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।फिलहाल बेलंदूर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की आगे की जांच शुरू कर दी है

केदारनाथ यात्रा में घट गए 50प्रतिशत श्रद्धालु, अब तक 12 लाख लोग कर चुके बाबा केदार के दर्शन

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम यात्रा में जून माह के दूसरे सप्ताह से श्रद्धालुओं की संख्या में आई गिरावट से कारोबार पर असर पड़ रहा है।यात्रा सीजन की शुरुआत से ही मई माह में केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। प्रतिदिन 25 से 30 हजार तक यात्री बाबा केदार के दर्शन के लिए पहुंच रहे थे।इसी को देखते हुए यात्रा व्यवसाय से जुड़े लोगों को उम्मीद थी कि जून माह में भी यात्रियों की संख्या अच्छी बनी रहेगी। हालांकि पिछले एक सप्ताह से यात्रा में अचानक गिरावट दर्ज की गई है। वर्तमान में प्रतिदिन केवल 13 से 14 हजार श्रद्धालु ही केदारनाथ पहुंच रहे हैं।

12 लाख श्रद्धालु कर चुके बाबा केदार के दर्शन

अब तक करीब 12 लाख श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। इसके बावजूद जून माह में यात्रियों की संख्या कम होने से स्थानीय व्यापारियों, होटल संचालकों, दुकानदारों और घोड़ा-खच्चर व्यवसाय से जुड़े लोगों की चिंता बढ़ गई है

यमुना तट स्वच्छता अभियानः दिल्ली के 28 घाटों पर चला मेगा क्लीनिंग ड्राइव, मंत्रियों संग सीएम ने किया श्रमदान

नई दिल्ली (आरएनएस)। यमुना नदी के संरक्षण और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज आज दिल्ली सरकार द्वारा एक विशाल स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत राजधानी के 28 प्रमुख यमुना घाटों पर एक साथ सफाई का कार्य किया गया, जिसमें हजारों स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस महा-अभियान का नेतृत्व खुद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया। उन्होंने गीता कॉलोनी के यमुना तट पर पहुंचकर सफाई कार्य में हाथ बंटाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यमुना का स्वच्छ, निर्मल और अविरल स्वरूप तभी लौटेगा जब इसमें जनभागीदारी सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री के साथ-साथ सरकार के सभी मंत्री, विधायक, पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी स्वयंसेवकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर श्रमदान करते नजर आए।

हम हिटलर जैसे नहीं, बातचीत के रास्ते खुले रहने चाहिए

-दत्तात्रेय होसबाले के पाकिस्तान से संवाद बयान पर बोले मोहन भागवत

नई दिल्ली,(ए.)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पाकिस्तान के साथ संवाद बनाए रखने को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के बयान का बचाव किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि होसबाले की टिप्पणी पाकिस्तान सरकार नहीं, बल्कि वहां के लोगों के संदर्भ में थी। साथ ही उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संबंध में संघ केंद्र सरकार की विदेश नीति का ही अनुसरण करता है।आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में आज भी ऐसे अनेक लोग हैं जो मानते हैं कि भारत का विभाजन एक ऐतिहासिक भूल थी। उन्होंने दावा किया कि वहां कुछ पत्रकार और बुद्धिजीवी भी हैं जो आरएसएस के कार्यों की सराहना करते हैं तथा दो-राष्ट्र सिद्धांत का विरोध करते हैं। भागवत ने कहा कि पाकिस्तान में ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है जो मानते हैं कि दोनों देशों का साथ रहना अधिक बेहतर होता। ऐसे लोगों के साथ संवाद और संपर्क के रास्ते पूरी तरह बंद नहीं किए जाने चाहिए।

युद्ध के बाद भी समाधान के लिए संवाद जरूरी

संघ प्रमुख ने कहा कि यदि भविष्य में किसी युद्ध की स्थिति में भारत पाकिस्तान पर निर्णायक बढ़त हासिल करता है, तब भी वहां के लोगों के भविष्य को लेकर कोई न कोई समाधान तलाशना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे में या तो उन्हें भारत के साथ जोड़ना होगा अथवा उन्हें शांतिपूर्ण जीवन जीने योग्य परिस्थितियां उपलब्ध करानी होंगी। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा, हम हिटलर जैसे नहीं हैं। यह हमारा स्वभाव नहीं है। इसलिए बातचीत और समाधान का कोई रास्ता खुला रहना चाहिए। अन्याय और अत्याचार का अंत होना चाहिए, लेकिन जो सकारात्मक है, उसे भी संरक्षित रखना आवश्यक है।

होसबाले के बयान पर हुआ था विवाद

दरअसल, हाल ही में दत्तात्रेय होसबाले ने एक साक्षात्कार में कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत के सभी विकल्प पूरी तरह बंद नहीं करने चाहिए। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर बहस छिड़ गई थी। अब मोहन भागवत ने इस विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि होसबाले के बयान को गलत संदर्भ में देखा गया। उनके अनुसार, टिप्पणी का आशय पाकिस्तान की जनता और वहां मौजूद सकारात्मक सोच रखने वाले लोगों से था, न कि पाकिस्तान की राज्य व्यवस्था या सरकार से।

प्यार, धोखा और मर्डर बिजनौर में तलाकशुदा नर्स की गला घोंटकर हत्या, शादी की जिद बनी मौत की वजह

बिजनौर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में मुंबई की तलाकशुदा नर्स सना (35) की प्रेमी फैसल (20) ने हत्या कर दी। दोनों लिव इन में रहते थे। सना शादी का दबाव बना रही थी। फैसल ने गला घोंटकर शव गन्ने के खेत में दबा दिया। मुंबई पुलिस ने फैसल को हिरासत में लिया। उसकी निशानदेही पर बिजनौर से शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आरोपी फैसल मुंबई में मुर्गा काटने का काम करता था। बाद में उसने यह काम अपने पिता और भाई के हिस्से में छोड़ दिया। अब काफी दिनों से सैलून पर काम करता था। इसी बीच उसके प्रेम संबंध सना से हो गए। सना अपने रिश्ते को लेकर बेहद गंभीर थी। उसने फैसल के साथ शादी रचाने की उम्मीद में पति से तलाक तक ले लिया था लेकिन समय के साथ फैसल के इरादे बदलने लगे।

दिल्ली के कालकाजी में भीषण अग्निकांड, रेस्टोरेंट में 3 सिलेंडरों में जोरदार ब्लास्ट; बगल की इमारत से निकाले गए लोग

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली के पॉश इलाके कालकाजी में रविवार सुबह उस वक्त भारी दहशत और अफरातफरी मच गई, जब यहां स्थित एक रेस्टोरेंट में भयानक आग लग गई। आग ने चंद मिनटों में ही इतना विकराल रूप ले लिया कि अंदर रखे तीन कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों में एक के बाद एक जोरदार धमाके हुए। धमाकों की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा और आग तेजी से पूरी इमारत में फैल गई। हालांकि, गनीमत यह रही कि इस खौफनाक हादसे के बीच दमकल कर्मियों ने अपनी जान पर खेलकर एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और दूसरी मंजिल पर फंसी एक बुजुर्ग महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

दमकल की 6 गाड़ियों ने पाया काबू, जान पर खेलकर किया रेस्क्यू

यह रेस्टोरेंट देश बंधु गुप्ता कॉलेज के पास स्थित है। घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने के साथ-साथ इमारत में फंसे लोगों को निकालने का जोखिम भरा अभियान शुरू किया। आग की उठती लपटों और धुएं के गुबार के बीच दूसरी मंजिल पर फंसी एक बुजुर्ग महिला की जान खतरे में थी, लेकिन रेस्क्यू टीम ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें सकुशल बचा लिया। फिलहाल, आग लगने के असल कारणों का पता नहीं चल सका है और पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही

यूपी में आसमानी बिजली गिरने से 3 की दर्दनाक मौत, कहीं तूफानी बारिश तो कहीं लू का अलर्ट; जानें अपने राज्य का हाल

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश के कई हिस्सों में मौसम के तेजी से बदलते मिजाज को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। इस समय उत्तर-पश्चिम भारत पर एक पश्चिमी विक्षोभ और सेंट्रल पाकिस्तान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है, जिसके कारण मौसम ने करवट ली है। एक तरफ जहां कई राज्यों में भारी बारिश और तूफानी हवाओं का दौर जारी है, तो वहीं कुछ इलाकों में अभी भी भीषण गर्मी और हीट वेव का प्रकोप बना हुआ है। इस बीच आंधी-तूफान और बारिश ने उत्तर प्रदेश में जानलेवा तबाही भी मचाई है। यूपी में आसमानी बिजली बनी काल, तीन लोगों ने गंवाई जानउत्तर प्रदेश में मौसम का सबसे खौफनाक और जानलेवा रूप देखने को मिला है। शनिवार को आई अचानक आंधी और तेज बारिश के बीच चंदौली जिले में आकाशीय बिजली गिरने से दो महिलाओं और एक नाबालिग किशोरी की दर्दनाक मौत हो गई। चकिया थाना क्षेत्र के बाजरडीहा गांव में 68 वर्षीय शकुंतला घर के बाहर झाड़ू लगा रही थीं, तभी अचानक मौसम बिगड़ा और सुरक्षित स्थान पर पहुंचने से पहले ही उन पर बिजली गिर गई। वहीं, धनवाल कलां गांव में भी बिजली गिरने की एक अन्य घटना में 35 वर्षीय रूबी और 13 वर्षीय लक्ष्मी की जान चली गई। इसके अलावा, कन्नौज में तेज हवाओं के कारण एक जर्जर छत और टिन शेड के ढहने से सात लोग घायल हो गए हैं। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू कर दिया है।पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण समूचे उत्तर-पश्चिम और पूर्वी भारत में थंडरस्टॉर्म की वार्निंग जारी की गई है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बेंगलुरु के मैसूर बैंक सर्कल में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ स्वच्छ भारत अभियान के तहत सफाई अभियान में शामिल हुईं।

हिंदू युवक की हत्या के विवाद में देहरादून में भयंकर बवाल, भड़की भीड़ ने फूंका आरोपी का घर; इंटरनेट ठप

विकासनगर(आरएनएस)। उत्तराखंड के विकासनगर स्थित बैरागीवाला गांव में दो समुदायों के बीच खेत में पानी लगाने को लेकर हुआ मामूली विवाद एक बड़ी हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। इस खूनी संघर्ष में एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई, जिसके बाद पूरे इलाके में भयंकर बवाल मच गया। घटना से आक्रोशित भीड़ ने पुलिस की मौजूदगी में जमकर पथराव किया और आरोपी के घर को आग के हवाले कर दिया। हालात को बेकाबू होता देख प्रशासन ने इलाके में इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह से बंद कर दी हैं और पूरे गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 12 लोगों के खिलाफ संगीन धाराओं में केस दर्ज किया है।पुलिस के अनुसार, इस पूरे विवाद की जड़ खेत में पानी लगाने को लेकर हुई एक मामूली कहासुनी थी, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। एसपी देहात पंकज गैरोला ने बताया कि विवाद बढ़ने पर कुछ युवकों ने विनोद नाम के युवक की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस हमले में एक महिला समेत तीन अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस पूरी घटना का दिल दहला देने वाला सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो में गांव की गलियों में लाठी-डंडों से लैस लोग एक-दूसरे पर हमला करते नजर आ रहे हैं, जबकि चीख-पुकार के बीच महिलाएं और बच्चे जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते दिख रहे हैं। युवक की मौत की खबर जैसे ही गांव में फैली, तनाव अपने चरम पर पहुंच गया। भारी संख्या में ग्रामीण और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता इंसाफ की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए और नेशनल हाईवे को पूरी तरह जाम कर दिया।

ममता बनर्जी का साथ छोड़ NDA के पाले में जाने को तैयार 22 सांसद, दिल्ली में होने जा रहा बड़ा खेला

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (TMC) के भीतर एक बड़े सियासी भूकंप की आहट सुनाई दे रही है। ममता बनर्जी की पार्टी अपने अब तक के सबसे बड़े विभाजन की कगार पर खड़ी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पार्टी के 20 से ज्यादा सांसद बगावत पर उतर आए हैं और वे न केवल अपना एक अलग गुट बनाना चाहते हैं, बल्कि केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (BJP) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) को समर्थन देने की भी पूरी तैयारी कर चुके हैं। ये सभी बागी सांसद अपनी मांगों को लेकर सोमवार को दिल्ली में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात करने जा रहे हैं, जिसके बाद बंगाल की राजनीति में एक बड़ा भूचाल आ सकता है।

स्पीकर से मिलकर अलग संसदीय गुट की करेंगे मांग

इस पूरी बगावत की अगुवाई TMC सांसद काकोली घोष दस्तीदार कर रही हैं। कोलकाता एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने बड़ा दावा किया है कि अब उनके साथ कुल 22 सांसद आ चुके हैं। उनका कहना है कि सोमवार को दिल्ली में लोकसभा स्पीकर से मुलाकात कर वे आधिकारिक तौर पर एक अलग संसदीय ब्लॉक के रूप में मान्यता देने की मांग करेंगे। हाल ही में एक दस्तावेज भी सामने आया था, जिस पर 19 TMC सांसदों के हस्ताक्षर थे। इसके अलावा रचना बनर्जी और सायनी घोष के भी अलग से दस्तखत होने की बात कही गई है। हालांकि, बागी गुट में शामिल दो नए सांसदों के नामों का खुलासा अभी नहीं किया गया है।

इन दिग्गजों ने खोले बगावत के मोर्चे, सुदीप की मुलाकात से भी अटकलें तेज

सामने आए लेटर में काकोली घोष दस्तीदार के अलावा सताब्दी रॉय, दीपक अधिकारी (देव), यूसुफ पठान, जून मालिया, प्रसून बनर्जी और माला रॉय जैसे कई दिग्गज सांसदों के नाम शामिल हैं। बागी सांसदों की एक अहम बैठक पहले कोलकाता में होनी थी, लेकिन अब रणनीति में बदलाव करते हुए इसे दिल्ली शिफ्ट कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि इस बैठक में पश्चिम बंगाल के सीएम शुवेंदु अधिकारी के भी शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन सरकारी व्यस्तताओं के चलते उनका पहुंचना तय नहीं है। वहीं, टीएमसी के वरिष्ठ सांसद सुदीप बंदोपाध्याय की दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से हुई मुलाकात ने भी अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। हालांकि, अभिषेक बनर्जी, महुआ मोइत्रा, शत्रुघ्न सिन्हा और कल्याण बनर्जी जैसे कई बड़े चेहरों ने इस बागी गुट से फिलहाल पूरी तरह से दूरी बनाई हुई है।

भारतीय सेना ने बदले यूनिफॉर्म नियम, टैटू-मूंछों और हेयरकट को लेकर सख्ती; जानिए क्या है नया ड्रेस कोड

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय सेना ने औपनिवेशिक दौर की परंपराओं को खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए यूनिफॉर्म और ड्रेस कोड से जुड़े कई अहम बदलाव किए हैं। सेना की ओर से जारी 174 पेज के नए मैनुअल 'आर्मी यूनिफॉर्म्स-2026' में इन बदलावों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। इससे पहले ऐसा मैनुअल करीब आठ साल पहले जारी किया गया था।रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेना ने औपचारिक मौकों पर बंद-गले वाली 'बंदी जैकेट' पहनने की अनुमति दे दी है। इसके अलावा सेरेमोनियल पाउच बेल्ट हटाई गई है और परेड के दौरान रिव्यूइंग अधिकारियों के लिए तलवार साथ रखना अब वैकल्पिक कर दिया गया है।मैनुअल में कहा गया है कि ये बदलाव देश की बदलती संप्रभु पहचान और भारतीय सोच को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं। सेना ने इसे औपनिवेशिक दौर की बची-खुची परंपराओं की प्रगतिशील समीक्षा बताया है। सेना ने सभी रैंक के सैनिकों के लिए '3बी' नाम की नई सर्दियों की यूनिफॉर्म शुरू की है। इसमें अंगोला शर्ट, बैटल जैकेट और बेरेट शामिल होंगे।

पहली बार 'बंदी जैकेट' को मंजूरी

नए नियमों के तहत अधिकारियों को औपचारिक ड्रेस कोड के रूप में बंद-गले वाली 'बंदी जैकेट' पहनने की अनुमति दी गई है। इसे फॉर्मल

ट्राउजर और बंद जूतों के साथ पहना जाएगा। जैकेट का रंग सादा और गंभीर होना जरूरी होगा। महिला अधिकारियों को सादे रंगों की साड़ी या दुपट्टे के साथ कुर्ता-सलवार और टखनों तक लंबी सीधी पैंट पहनने की अनुमति दी गई है। बिना आस्तीन वाले कुर्ते, पलाजो और सिगरेट पैंट जैसे कैजुअल परिधानों पर रोक लगाई गई है।

ड्रेस नंबर 5 और 6 से हटाई गई पाउच बेल्ट

सेना ने 'मेस ड्रेस नंबर 5' और 'नंबर 6' से पाउच बेल्ट हटाने का फैसला किया है। हालांकि कुछ विशेष रेजिमेंट्स और कोर में कर्नल रैंक तक के अधिकारियों को रेजिमेंटल कार्यक्रमों के दौरान इसे पहनने की अनुमति रहेगी। इन ड्रेसों का इस्तेमाल राष्ट्रपति भवन, राजभवन, प्रधानमंत्री और सेना प्रमुखों के आवास पर आयोजित औपचारिक कार्यक्रमों और विदेशी राष्ट्राध्यक्षों के सम्मान में होने वाले समारोहों में किया जाता है।

'रॉयल' जैसे शब्द भी हटाए गए

मैनुअल में 'रॉयल' जैसे औपनिवेशिक शब्दों को भी हटाया गया है। एडजुटेंट जनरल लेफ्टिनेंट जनरल वीपीएस कौशिक ने प्रस्तावना में कहा कि यह कदम सेना की परंपराओं को भारतीय सोच और संस्कृति के अनुरूप बनाने की दिशा में उठाया गया है।

टैटू, पियर्सिंग और कॉस्मेटिक्स पर सख्ती

नए नियमों के तहत सैनिकों को टैटू और बॉडी पियर्सिंग की मनाही याद दिलाई गई है। यूनिफॉर्म में किसी भी तरह का ब्रेसलेट पहनने की अनुमति नहीं होगी, सिवाय पूजा के दौरान बंधे पवित्र धागे के। धार्मिक प्रतीकों पर भी रोक रहेगी, हालांकि सिख सैनिकों को इसमें छूट दी गई है। मूंछों की लंबाई 12 सेंटीमीटर से अधिक नहीं हो सकती। यूनिफॉर्म में डिओडोरेंट और परफ्यूम लगाने पर रोक होगी, जबकि आफ्टर-शेव लोशन इस्तेमाल किया जा सकेगा। महिला कर्मियों के लिए भी कॉस्मेटिक्स को लेकर सख्त नियम बनाए गए हैं।

दिल्ली के गोविंदपुरी की बिल्डिंग में साजिश के तहत लगाई गई थी आग, साजिशकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के तुगलकाबाद में टीकेडी एक्सटेंशन की गली नंबर 1 में स्थित बिल्डिंग में शुक्रवार देर रात आग लगने से तीन लोगों की मौत मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक बिल्डिंग में आग लगाई गई थी, जिससे ग्राउंड फ्लोर से लेकर पांचवीं मंजिल तक पूरी इमारत आग की चपेट में आ गई थी। इस अग्निकांड में 7-8 मोटरसाइकिलें और कारें जल गईं थी। दिल्ली अग्निशमन विभाग को शुक्रवार देर रात 2-27 बजे सूचना मिली और तब आग बुझाने का काम शुरू किया गया था।इस दर्दनाक घटना में आठ लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे। इन सभी घायलों को एम्स के ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। यहां इलाज के दौरान पंकज पांडे, सुशीला देवी और सोनिया पांडे की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में आग लगने से कुछ समय पहले एक महिला को परिसर में घुसते हुए देखा गया था। पुलिस की जांच में पाया गया कि यह आग जानबूझकर लगाई गई थी।जांच के दौरान नवजीवन कैंप की रहने वाली 17 साल की एक नाबालिग लड़की की पहचान की गई और उसे पकड़ा गया। उसने बताया कि गिरिनगर की रहने वाली 27 साल की सरिता ने उसे उकसाया था और पैसे के विवाद को लेकर दीपक (जो उसी बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल पर रहता था) की स्कूटी में आग लगाने के लिए पेट्रोल और माचिस दी थी।

अमेरिका और ईरान के बीच ऐतिहासिक परमाणु समझौते का दावा

-डोनाल्ड ट्रंप बोले- रविवार को ही होंगे हस्ताक्षर

वाशिंगटन(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी तनावपूर्ण रिश्तों के बीच एक बहुत बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि दोनों देशों के बीच एक ऐतिहासिक समझौते पर रविवार को ही हस्ताक्षर होने जा रहे हैं। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि कल यानी रविवार को इस बेहद महत्वपूर्ण डील पर आधिकारिक मुहर लग जाएगी, जिसके तुरंत बाद रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) को सभी के लिए पूरी तरह खोल दिया जाएगा।

इस संभावित डील को लेकर मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी सोशल मीडिया पर संकेत दिया था कि अगले 24 घंटों में अमेरिका और ईरान के बीच समझौता हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की इस पोस्ट को साझा करते हुए उनकी बात की पुष्टि की है। हालांकि, ईरान के रुख में थोड़ा विरोधाभास देखा गया। शुरुआत में ईरान ने रविवार को ही डील होने की बात से इनकार किया था, लेकिन बाद में ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने भी माना कि दोनों देश एक समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दावे में कहा कि ईरान के साथ होने वाला यह नया समझौता उसकी परमाणु हथियार विकसित करने की राह में एक अभेद्य दीवार की तरह काम करेगा। उनके अनुसार, इस ऐतिहासिक कूटनीतिक जीत के बाद ईरान न तो परमाणु हथियार बनाने की इच्छा रखेगा और न ही भविष्य में कभी इसे हासिल कर पाएगा, चाहे वह खरीद के जरिए हो, विकास के जरिए हो या फिर किसी अन्य माध्यम से। ट्रंप ने आश्वस्त किया कि यह सौदा पूरी दुनिया को परमाणु खतरे से सुरक्षित रखने में मील का पत्थर साबित होगा।

पहाड़ों के नीचे दबी परमाणु सामग्री को नष्ट करने की रणनीति

भविष्य की सैन्य और कूटनीतिक रणनीति का खुलासा करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि सही समय आने पर, जब क्षेत्र में सब कुछ पूरी तरह शांत हो जाएगा, तब अमेरिकी सेना अपने बेहतरीन बी-2 बॉम्बर्स और जांबाज पायलटों की मदद से गहरे ग्रेनाइट पहाड़ों के नीचे दबी परमाणु सामग्री को बाहर निकालेगी। इसके बाद उस खतरनाक सामग्री को पूरी तरह नष्ट कर दिया जाएगा, चाहे वह ईरान में स्थित हो या संयुक्त राज्य अमेरिका में। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे ईरान और पूरे मध्य पूर्व के देशों के साथ भविष्य में लंबे समय तक मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, उन्होंने अंत में एक चेतावनी भरे लहजे में यह भी साफ कर दिया कि यदि यह शांति प्रक्रिया सुचारू रूप से आगे नहीं बढ़ती है, तो अमेरिका के पास सैन्य कार्रवाई का अंतिम विकल्प हमेशा तैयार है, जिसका वे उम्मीद करते हैं कि कभी दोबारा इस्तेमाल करने की नौबत न आए।

अमेरिका-ईरान के समझौते की शर्तें तय, ट्रंप-मोजतबा में कौन झुक रहा, भारत को कितना फायदा-क्या नुकसान?

वाशिंगटन(ए.)। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच 28 फरवरी को शुरू हुई जंग को आज 107 दिन पूरे हो चुके हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने 80वें जन्मदिन यानी 14 जून (भारतीय समयानुसार (14 जून की शाम से 15 जून के बीच) को ही ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इसके लिए एक अंतरिम समझौते का ड्राफ्ट भी तैयार किया जा चुका है। हालांकि, अभी इसकी शर्तों और इनकी स्वीकार्यता को लेकर काफी संशय का माहौल है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर अमेरिका और ईरान के बीच जिस समझौते पर ट्रंप जल्द हस्ताक्षर होने की बात कह रहे हैं, उसमें कौन-कौन सी शर्तें होने की बात सामने आई है? भारत को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने और क्षेत्र से तेल निर्यात को लेकर इसमें क्या कहा गया है? अगर समझौते की शर्तें स्पष्ट हैं तो इसे लेकर फिलहाल तनाव किस बात पर है? वह क्या मुद्दे हैं जो इस संघर्ष का आगे का रुख तय कर सकते हैं? आइये जानते हैं...

अमेरिका-ईरान समझौते के ड्राफ्ट में क्या शर्तें, कौन-किस शर्त पर झुका?

1. तत्काल युद्धविराम: लेबनान सहित सभी क्षेत्रीय मोर्चों पर सैन्य शत्रुता का तत्काल और स्थायी रूप से खात्मा किया जाएगा। ईरान ने किसी भी शांति समझौते को लेबनान के युद्धविराम से मजबूती से जोड़ा था। इस्राइल की लगातार सैन्य कार्रवाइयों और विरोध के बावजूद अमेरिका ने ड्राफ्ट में लेबनान सहित सभी मोर्चों पर संघर्ष विराम की ईरानी शर्त को मानने की बात कही है।

2. नौसैनिक नाकेबंदी हटाना: अमेरिका की ओर से 30 दिनों के अंदर नौसैनिक नाकेबंदी को पूरी तरह से हटा ली जाएगी। गौरतलब है कि अमेरिका ने यह नाकेबंदी होर्मुज से ईरानी तेल-गैस लेकर निकल रहे जहाजों पर रोक लगाने के इरादे से की थी। हालांकि, दबाव की रणनीति के बावजूद अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकेबंदी को 30 दिनों में हटाने के लिए झुकता नजर आ रहा है।

3. होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना: 30 दिनों के अंदर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल दिया जाएगा। यह जलडमरूमध्य ईरानी नियामक व्यवस्था के तहत संचालित होगा और ईरान यहां से गुजरने वाले जहाजों से टोल के बजाय सेवा शुल्क वसूल सकेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, होर्मुज ऐसा मुद्दा है, जिस पर दोनों ही देश झुकते नजर आए हैं।

बांग्लादेश में राम-प्रतिमा पर लगी रोक, प्रोजेक्ट की फंडिंग पर उठ रहे सवाल

ढाका,(ए.)। बांग्लादेश के गैबांधा जिले में 82 फीट ऊंची राम प्रतिमा का प्रोजेक्ट रोक दिया गया है। यह प्रतिमा श्री राधा गोबिंद और काली मंदिर परिसर में बन रही थी। मंदिर समिति ने इसे सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए अस्थायी रोक बताया है, लेकिन इसकी असली वजह कट्टरपंथी संगठनों का दबाव माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे संगठनों ने अधूरी संरचना गिराने तक की मांग की है। इमाम-उलमा परिषद ने प्रोजेक्ट पूरी तरह रद्द करने, भविष्य में ऐसी किसी पहल पर रोक लगाने और फंडिंग की जांच कराने की मांग की है। बता दें यह निर्माण 2025 की शुरुआत में निजी फंडिंग से शुरू हुआ था। परिसर में पहले से 100 से ज्यादा देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं। इनमें 30 फीट की शिव प्रतिमा और 53 फीट की कृष्ण प्रतिमा भी शामिल है। राम प्रतिमा को एशिया की सबसे बड़ी प्रतिमा के रूप में पेश किया जा रहा था। इस परियोजना पर 17 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होने थे। कट्टरपंथी संगठन और अन्य लोगों ने इस प्रोजेक्ट की फंडिंग पर सवाल उठाए हैं।

अमेरिकी सेना का लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट ने इजेक्ट कर बचाई जान

-दुर्घटना से जंगल में लगी आग, बुझाने अभियान किया गया शुरु

वाशिंगटन,(ए.)। अमेरिकी सेना का एक लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे जंगल में आग लग गई। पायलट ने दुर्घटना से पहले इजेक्ट कर लिया और उसे मामूली चोटें आईं हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह विमान रिमरॉक लेक के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसके बाद जंगल वाले इलाके में आग बुझाने के लिए तुरंत अभियान शुरू किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक कैलिफोर्निया स्थित मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन मीरामार से जुड़े एफ/ए-18 हॉर्नेट विमान की नियमित प्रशिक्षण उड़ान चल रही थी, तभी यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक यह लड़ाकू विमान मरीन एयरक्राफ्ट ग्रुप 11 और थर्ड मरीन एयरक्राफ्ट विंग का हिस्सा था, जिनका मुख्य बेस कैलिफोर्निया के मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन मीरामार में है। स्थानीय शेरिफ विभाग के अधिकारियों ने पायलट को सुरक्षित ढूंढ लिया। उसे हल्की चोटें आई थीं और जांच के

लिए पास के अस्पताल ले जाया गया। विमान दुर्घटना से ओकानोगन-वेनात्ची नेशनल फॉरेस्ट में झाड़ियों और जंगल में बड़ी आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए नैचेस फायर डिपार्टमेंट समेत कई फायरफाइटिंग हेलीकॉप्टर और लोकल एजेंसियां मौके पर पहुंचीं।

बता दें इससे पहले अप्रैल में अमेरिकी वायु सेना का एक एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमान ईरान ने मार गिराया गया था, जिसके बाद उसे ढूंढने और चालक दल को बचाने के लिए विशेष खोज एवं अभियान चलाया गया। विमान में मौजूद दोनों क्रू सदस्य सुरक्षित निकलने में सफल रहे। एफ-15ई एक दो-सीटर मल्टीरोल लड़ाकू विमान है, जिसमें एक पायलट और एक वेपन्स सिस्टम्स ऑफिसर होता है। उसी दिन एक अलग घटना में अमेरिकी वायु सेना का ए-10 थंडरबोल्ट हमला करने वाला विमान भी क्षेत्र में खो गया था। उसके पायलट को सुरक्षित बचा लिया था।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक दोनों विमानों को संभवत: ईरानी हमले में निशाना बनाया गया था। ईरान ने दावा किया कि उसने एक अमेरिकी लड़ाकू विमान को मार गिराया है और एफ-15ई के मलबे की बताई जा रही कुछ तस्वीरें भी जारी कीं। हालांकि इन तस्वीरों की असलियत की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी।

फीचर

मनोरंजन के साथ दिया गया संदेश दिमाग तक पहुंचता है आसानी से : माधुरी

मुंबई (ए.)। अपनी नई नई फिल्म मां बहन को लेकर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने मनोरंजन और समाज के रिश्ते पर अपने गहरे और विचारोत्तेजक विचार साझा किए। उनका मानना है कि अगर समाज की किसी जरूरी और संवेदनशील बात को लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना हो, तो मनोरंजन से बेहतर और कोई तरीका नहीं हो सकता।

माधुरी दीक्षित ने कहा, जब लोग किसी फिल्म या शो को देखने बैठते हैं, तो उनका प्राथमिक मकसद कुछ समय के लिए अपने रोजमर्रा के तनाव से दूर होकर अच्छा समय बिताना और हल्का महसूस करना होता है। उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, ऐसे में अगर कहानी के जरिए समाज की सच्चाई भी बड़े ही सहज और मनोरंजक तरीके से दिखाई जाए, तो उसका असर कहीं ज्यादा गहरा और स्थायी होता है।

माधुरी का मानना है कि लोग हँसते-हँसते या मनोरंजन करते हुए भी यह आसानी से समझ सकते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है, समाज में कौन-सी बातें सही हैं या गलत, और किन बदलावों की आवश्यकता है। उनके अनुसार, मनोरंजन के साथ दिया गया संदेश लोगों के दिल और दिमाग तक आसानी से पहुँचता है और उन्हें सोचने पर मजबूर करता है। अभिनेत्री ने आगे इस बात पर जोर दिया कि, किसी बात को बार-बार समझाने या उपदेश देने से लोग कई बार दूरी बना लेते हैं और उसे सुनना पसंद नहीं करते। लेकिन, जब वही बात मजेदार, दिलचस्प और कहानी के रूप में प्रभावी तरीके से दिखाई जाती है, तो लोग उसे न केवल ध्यान से देखते हैं, बल्कि उस पर सोचते भी हैं और उस पर चर्चा भी करते हैं। उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा, फिल्मों और कहानियों की यही सबसे बड़ी ताकत है कि वे गंभीर मुद्दों को भी सुलभ और आकर्षक बना सकती हैं। माधुरी ने बताया कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से ऐसी कहानियां बेहद पसंद आती हैं, जिनमें मनोरंजन का भी पूरा पुट हो और साथ ही कोई गहरा और सकारात्मक सामाजिक संदेश भी छिपा हो, जो दर्शकों को जागरूक कर सके। इसके अलावा, माधुरी दीक्षित ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अपनाए जाने वाले अलग-अलग नजरिए पर भी खुलकर बात की और पितृसत्तात्मक सोच पर तीखे सवाल उठाए। माधुरी ने कहा, यह एक पितृसत्तात्मक समाज है जो प्यार और रिश्तों के मामलों में आज भी दोहरे मापदंड अपनाता हुआ आया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, अगर कोई पुरुष कई गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे रोमियो या प्लेबॉय कहकर महिमामंडित किया जाता है, लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और उसे नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है। अभिनेत्री ने बताया, मेरी फिल्म मां बहन इन्हीं पुरानी परंपराओं, रूढ़ियों और लैंगिक असमानता वाले नियमों को चुनौती देती है।

फिल्म में महिलाओं को मजबूत, स्वतंत्र और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है, जो अपने हक के लिए खड़ी होती हैं। माधुरी ने दृढ़ता से कहा, हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है, और समाज को इस सोच को अपनाना चाहिए। मां बहन का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

मोंटाना में परिवार के साथ छुट्टियों का लुत्फ उठा रही फ्रीडा पिंटो

मुंबई (ए.)। भारतीय अभिनेत्री फ्रीडा पिंटो आजकल अमेरिका के खूबसूरत राज्य मोंटाना में अपने परिवार के साथ गर्मियों की छुट्टियों का लुत्फ उठा रही हैं। हॉलीवुड में अपने अभिनय के दम पर खास पहचान बनाने वाली फ्रीडा ने सोशल मीडिया पर इन पलों की कुछ मनमोहक तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं, जिनमें उनके पति कोरी ट्रान और नन्हे बेटे रूमी-रे भी नजर आ रहे हैं।

कभी उनका परिवार खुले मैदानों में घूमता दिख रहा है, तो कभी झरने के पास या पहाड़ों की तलहटी में आरामदायक पल बिता रहा है। अभिनेत्री ने बताया कि भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ समय निकालकर अपने सबसे करीब लोगों के साथ समय बिताना उनके लिए बेहद खास रहा। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, मोंटाना में गर्मियों का असली जादू है। जीवन में कई बार ऐसा समय आता है जब इंसान को सिर्फ शांति, अपनापन और प्रकृति की जरूरत होती है।

इंडस्ट्री में जगह बनाना और टिके रहना आसान नहीं : अद्रिजा रॉय

मुंबई (ए.)। हाल ही में अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने टेलीविजन इंडस्ट्री की बाहरी चमक-दमक के पीछे की सच्चाई को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। इस बारे में अभिनेत्री ने विस्तार से बताया कि इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाना और टिके रहना कतई आसान नहीं है।

इसके लिए अपार धैर्य, निरंतर कड़ी मेहनत और अपने कौशल में लगातार सुधार की जरूरत होती है। अद्रिजा रॉय के अनुसार, सिर्फ एक या दो अच्छे प्रदर्शन से रातोंरात सफलता की उम्मीद करना एक भ्रम है, क्योंकि वास्तविक और स्थायी पहचान धीरे-धीरे बनती है। अद्रिजा रॉय ने इंडस्ट्री की तेज गति पर प्रकाश डालते हुए कहा, टीवी इंडस्ट्री में काम की रफ्तार बेहद तेज होती है। कई बार ऐसा होता है कि आज किसी एपिसोड की शूटिंग पूरी हुई और वह अगले ही दिन या बहुत कम समय में टेलीविजन पर प्रसारित हो जाता है। इस तीव्र गति वाले माहौल में कलाकारों को हर समय मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहना पड़ता है, और अपने किरदार को पूरी ऊर्जा व समर्पण के साथ निभाना होता है। हर कॉल टाइम पर, हर शूटिंग शेड्यूल में एक बहुत बड़ी प्रोडक्शन टीम एकजुट होकर काम करती है, और एक कलाकार को इन सबके बीच रहते हुए भी अपने प्रदर्शन में संतुलन बनाए रखना होता है। ऐसे माहौल में शांत और फोकस्ड रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में किया गया काम अक्सर अपेक्षित असर नहीं डाल पाता। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टीवी इंडस्ट्री में सफलता तुरंत या जादू की तरह नहीं मिलती।

उन्होंने कहा, कई लोग सोचते हैं कि एक अच्छा सीन या एक दमदार प्रदर्शन उन्हें रातोंरात पहचान दिला देगा, लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। टीवी में अपना नाम कमाने के लिए लगातार समय देना पड़ता है। यह सच है कि एक-दो अच्छे सीन से अस्थायी लोकप्रियता मिल सकती है, लेकिन स्थायी सफलता और दर्शकों के दिलों में जगह बनाने की असली चाबी निरंतर मेहनत और अटूट धैर्य ही है।

जेब खर्च के लिए होटल में नौकरी करनी पड़ी थी सोनम कपूर को

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर की बड़ी बेटी सोनम कपूर आज भले ही देश की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में शुमार होती हों, लेकिन उनका शुरुआती सफर चुनौतियों से भरा रहा है। सोनम के फिल्मी परिवार में जन्म लेने के बावजूद, उनके जीवन में एक ऐसा दौर भी आया जब उन्हें अपने खर्चों के लिए एक रेस्टोरेंट में छोटी-सी नौकरी करनी पड़ी, और वह भी ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाई। सोनम कपूर का जन्म 9 जून 1985 को मुंबई के चेंबूर में हुआ था। वह अभिनेता अनिल कपूर और पूर्व मॉडल सुनीता कपूर की बड़ी बेटी हैं। हालांकि, उनका सपना शुरू से अभिनय में आने का नहीं था; उन्हें लेखन और निर्देशन में अधिक रुचि थी। अपनी पढ़ाई के दौरान, जब वह सिंगापुर में थीं, उन्होंने अपने जेब खर्च के लिए एक रेस्टोरेंट में वेट्रेस के रूप में काम किया। यह अनुभव हालांकि बहुत कम समय का रहा, और कुछ ही दिनों बाद उन्हें उस नौकरी से हटा दिया गया। सोनम ने खुद कई इंटरव्यू में इस शुरुआती संघर्ष के बारे में खुलकर बात की है। अभिनय जगत में कदम रखने से पहले, सोनम को अपने बढ़ते वजन से भी जूझना पड़ा था। एक समय उनका वजन लगभग 90 किलो तक पहुंच गया था, और उन्हें पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम जैसी हार्मोनल समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। लेकिन उनकी जिंदगी में बड़ा मोड़ तब आया, जब उन्होंने निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ उनकी फिल्म ब्लैक में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। भंसाली ने ही उन्हें अभिनय में आने के लिए प्रेरित किया और वजन कम करने की सलाह दी। सोनम ने कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ लगभग 35 किलो वजन कम किया और खुद को अभिनय के लिए तैयार किया।

साल 2007 में, सोनम कपूर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म सांवरिया से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसी फिल्म से रणबीर कपूर ने भी अपने करियर की शुरुआत की थी। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन सोनम को नई पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने दिल्ली-6, आई हेट लव स्टोरीज, आयशा, मौसम और प्लेयर्स जैसी कई फिल्मों में काम किया। शुरुआती सालों में उन्हें कुछ असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपनी मेहनत और प्रयासों में कमी नहीं आने दी। सोनम के करियर में साल 2013 एक महत्वपूर्ण साल साबित हुआ, जब उनकी फिल्म रांझणा रिलीज हुई। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने खूब सराहा। इसके बाद भाग मिल्खा भाग, खूबसूरत, प्रेम रतन धन पायो, पैडमैन, वीरे दी वेडिंग और संजू जैसी सफल फिल्मों ने उनके करियर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। हालांकि, उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में नीरजा को प्रमुख माना जाता है।

पुलिस ने 312 मॉडिफाइड साइलेंसर व 40 प्रेशर हॉर्न को रोड रोलर से कुचलकर किया नष्ट

जगदलपुर (ए.)। बस्तर पुलिस ने ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 312 मॉडिफाइड (कानफोडू) साइलेंसर और 40 प्रेशर हॉर्न को आज शनिवार को रोड रोलर से कुचलकर नष्ट कर दिया। जब्त किए गए इन उपकरणों की अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई गई है। बस्तर पुलिस ने चेतावनी दी है कि आगे भी मॉडिफाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न लगाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।पुलिस अधीक्षक ने वाहन मालिकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने वाहनों में केवल कंपनी द्वारा निर्धारित साइलेंसर और हॉर्न का ही उपयोग करें तथा यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित और शांतिपूर्ण यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।बस्तर पुलिस ने बताया कि पिछले दो वर्षों से जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों और यातायात शाखा द्वारा मॉडिफाइड साइलेंसर एवं प्रेशर हॉर्न लगाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मोटर यान अधिनियम के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही थी। इन वाहनों से निकलने वाली तेज आवाज से आम लोगों को परेशानी होने के साथ स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। शनिवार को कोतवाली परिसर में पुलिस अधीक्षक बस्तर शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग की मौजूदगी में जब्त किए गए साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न को रोड रोलर चलाकर नष्ट किया गया। इस दौरान नगर पुलिस अधीक्षक सुमित धोत्रे, डीएसपी यातायात संतोष जैन, यातायात प्रभारी मधुसूदन नाग, बोधघाट थाना प्रभारी टामेश चौहान सहित पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जांजगीर-चांपा : मुख्यमंत्री साय ने 295 करोड़ रुपये से अधिक के 341 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

विकास कार्यों से आमजन की सुविधाओं का होगा विस्तार : मुख्यमंत्री साय

जांजगीर चांपा (ए.)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज रविवार को जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम पोंड़ी (राछा) में आयोजित कार्यक्रम में जिलेवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री साय ने 295 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के 341 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 70.10 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 159 कार्यों का लोकार्पण तथा 224.90 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 182 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।इन विकास कार्यों के माध्यम से सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य, नगरीय अधोसंरचना तथा ग्रामीण विकास से जुड़ी सुविधाओं का विस्तार होगा और जिले के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधिविधान से पूजा-अर्चना कर विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया तथा बटन दबाकर पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज का दिन जांजगीर-चांपा जिले के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि जांजगीर चांपा जिले को लगभग 295 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात मिल रही है, जिससे क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और जनजीवन अधिक सुगम बनेगा।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, पेयजल, सिंचाई, स्वास्थ्य और अधोसंरचना से जुड़े कार्यों के माध्यम से लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से जिले में विकास की नई संभावनाएं सृजित होंगी तथा आमजन को सीधे लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्य केवल निर्माण नहीं होते, बल्कि वे लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बनते हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है और इसी सोच के साथ प्रदेश में विकास एवं जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सांसद कमलेश जांगड़े तथा छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

जिले में खाद-बीज की है पर्याप्त उपलब्धता

किसानों को नहीं होगी किसी प्रकार की परेशानी

सारंगढ़-बिलाईगढ़, (आरएनएस)। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के निर्देश तथा उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिले के किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद एवं बीज उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार निगरानी और निरीक्षण किया जा रहा है। उर्वरकों एवं बीजों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए रासायनिक खाद के 30 तथा बीज के 66 नमूने परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में वर्तमान में 16,122.725 मैट्रिक टन रासायनिक खाद तथा 26,154.60 क्विंटल बीज उपलब्ध है। खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए किसानों की मांग के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में खाद एवं बीज का भंडारण किया गया है। सहकारी एवं निजी विक्रय केंद्रों में अब तक कुल 27,344 मैट्रिक टन रासायनिक खाद का भंडारण किया गया, जिसमें से 15,682 मैट्रिक टन खाद का वितरण किसानों को किया जा चुका है। इसी प्रकार 11,366.60 क्विंटल बीज का भी वितरण किया गया है। जिले के सहकारी क्षेत्र में अब तक 13,143 मैट्रिक टन यूरिया, 1,732 मैट्रिक टन डीएपी, 1,489 मैट्रिक टन एनपीके, 1,133 मैट्रिक टन एमओपी तथा 1,917 मैट्रिक टन एसएसपी उपलब्ध कराया गया है। शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2025 के विक्रय के आधार पर यूरिया का 80 प्रतिशत तथा डीएपी का 60 प्रतिशत वितरण किया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को डीएपी के विकल्प के रूप में एनपीके, टीएसपी, एसएसपी एवं नैनो डीएपी तथा यूरिया के विकल्प के रूप में नैनो यूरिया के उपयोग की सलाह भी दी जा रही है।

तलवार लेकर आतंक फैलाने वाला युवक चढ़ा पुलिस के हत्थे

रायपुर, (आरएनएस)। डूमर तालाब क्षेत्र में हाथ में तलवार लहराकर राहगीरों के बीच दहशत फैलाने वाले युवक का आतंक आखिरकार पुलिस ने खत्म कर दिया। आमानाका थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को धर-दबोचा और उसके कब्जे से अवैध धारदार तलवार बरामद की।जानकारी के अनुसार 13 जून 2026 की शाम पुलिस की नियमित पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली कि एक युवक खुलेआम लोहे की तलवार लेकर लोगों को डरा-धमका रहा है। उसकी हरकतों से आसपास के लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गवाहों की मौजूदगी में घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक धारदार लोहे की तलवार बरामद हुई, जिसे वह सार्वजनिक स्थान पर लहरा रहा था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी की हरकतें न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौती थीं, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रही थीं। इसी आधार पर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत अपराध दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई। पूछताछ और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

एम्बुलेंस पर चालक पर हमला करने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

धमतरी,(आरएनएस)। धमतरी जिले में मानवता की सेवा में लगी एम्बुलेंस पर हमला करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों ने एम्बुलेंस चालक से मारपीट की और वाहन में तोड़फोड़ कर लाखों रुपये की क्षति पहुंचाई थी। घटना 8 जून की रात की बताई जा रही है, जब उमरदा गौठान के पास एक सड़क हादसा हुआ था। हादसे में एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिलने पर वंदे मातरम परिवार समिति की एम्बुलेंस मौके पर राहत कार्य के लिए पहुंची थी। एम्बुलेंस चालक राधेश्याम निर्मलकर भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने एम्बुलेंस के देर से पहुंचने की बात को लेकर चालक से विवाद शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने चालक के साथ गाली-गलौच की, जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से हमला कर दिया। इसके बाद उन्होंने एम्बुलेंस वाहन को भी निशाना बनाया और उसमें जमकर तोड़फोड़ की। हमले में एम्बुलेंस के सामने का शीशा, बोनट, एंटीगेटर और अन्य हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए।

राम मंदिर से पूजन सामग्री ले गई दो महिलाएं, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात

बालोद,(आरएनएस)। दल्लीराजहरा के राम मंदिर में हुई चोरी की घटना ने श्रद्धालुओं को हैरान कर दिया है। जहां भक्त पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं, वहीं अज्ञात दो महिलाओं ने मंदिर की पूजन सामग्री और बर्तनों पर हाथ साफ कर दिया। राहत की बात यह रही कि उनकी पूरी करतूत मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई।मामले का खुलासा तब हुआ जब सुबह मंदिर के पुजारी ने पूजा के दौरान कुछ सामग्री और बर्तनों को गायब पाया। जांच करने पर चोरी की आशंका हुई, जिसके बाद तत्काल दल्लीराजहरा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस द्वारा खंगाले गए सीसीटीवी फुटेज में दो महिलाएं मंदिर परिसर में संदिग्ध गतिविधियां करती दिखाई दे रही हैं। फुटेज के अनुसार दोनों महिलाएं पहले परिसर का जायजा लेती हैं, फिर धीरे-धीरे पूजन सामग्री और बर्तनों को समेटकर वहां से निकल जाती हैं।

कटघोरा में आयोजित जैविक किसान मेला में सम्मिलित हुए विधायक प्रेमचंद पटेल

कोरबा (ए.)। कोरबा जिलान्तर्गत कटघोरा नगर में आयोजित जैविक किसान मेला में विधायक प्रेमचंद पटेल सम्मिलित हुए। उन्होंने किसानों, कृषि विशेषज्ञों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किसानों के सम्मान एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए आयोजित इस मेले में जैविक कृषि, प्राकृतिक खेती तथा कृषि नवाचारों पर विशेष चर्चा की गई। किसानों को जैविक खेती अपनाने, उत्पादन लागत कम करने तथा कृषि को अधिक लाभकारी बनाने हेतु विभिन्न योजनाओं एवं तकनीकों की जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के अध्यक्ष

रजनीश सिंह, जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी, किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री राकेश पांडेय, किसान मोर्चा के सह संयोजक भानु प्रताप सिंह, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामनारायण सराफ, पूर्व जिला अध्यक्षपवन गर्ग, पूर्व युवा आयोग सदस्य रघुराज सिंह उईके, महामंत्री अजय विश्वकर्मा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती मीना शर्मा, मंडल अध्यक्ष अभिषेक गर्ग सहित किसान मोर्चा के जिला एवं मंडल पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान भाई-बहन उपस्थित रहे। साथ ही कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेन्द्र कुमार साहू, कृषि विभाग के अधिकारी देवेन्द्र सिंह कंवर एवं विभागीय कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

खेल समाचार

ऑस्ट्रेलिया ओपनः सिंधु सेमीफाइनल में यामागुची से हारीं, भारत का अभियान समाप्त

सिडनी (आरएनएस.)। ऑस्ट्रेलियन बैडमिंटन ओपन के विमेंस सिंगल्स सेमीफाइनल में शनिवार को हार के साथ भारतीय स्टार पीवी सिंधु का 2026 सीजन में पहली बार खिताबी मुकाबले में पहुंचने का सपना अधूरा रह गया। ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु को मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची के हाथों 20-22, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में तीसरी वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन फिर यामागुची ने मैच पर पकड़ बनाते हुए मुकाबला 43 मिनट में अपने नाम किया। इसी के साथ यामागुची ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह बना ली। वर्ल्ड नंबर 10 सिंधु के लिए यह सीजन में एक और करीबी हार थी। जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद, ऑस्ट्रेलियन ओपन बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर इस साल उनका दूसरा सेमीफाइनल था।

पहले गेम में वैसा ही मुकाबला देखने को मिला, जिसकी फैंस को उम्मीद थी। सिंधु ने शुरुआती कुछ रैलियों में दबदबा बनाए रखा और मिड-गेम ब्रेक तक मामूली बढ़त हासिल की। हालांकि, यामागुची ने लगातार 6 प्वाइंट्स जीतकर मैच का रुख अपनी ओर मोड़ लिया।

इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए अंतर को खत्म किया और मुकाबले को रोमांचक बना दिया। उन्होंने 2019 के स्कोर पर एक गेम प्वाइंट बचाया, लेकिन जापानी शटलर ने संयम बनाए रखते हुए बढ़त हासिल की और पहला गेम अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में यामागुची ने लगातार सात प्वाइंट्स जीतकर सिंधु की वापसी की उम्मीदों को झटका दिया। इसके बाद, वर्ल्ड नंबर 3 खिलाड़ी ने मैच पर पकड़ बनाए रखते हुए सिंधु के खिलाफ अपने करियर के 29वें मुकाबले में 14वीं जीत दर्ज की। इस हार के साथ सिडनी में भारत का सफर भी खत्म हो गया। इससे पहले, पुरुषों की डबल्स जोड़ी एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुणन क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए थे। वहीं, भारत के पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी शुरुआती दौर से आगे नहीं बढ़ पाए। भारतीय शटलर अब अगले हफ्ते शुरू होने वाले मकाऊ ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

धर्मशाला में भारत का धमाका : पहले वनडे में अफगानिस्तान को 7 विकेट से रौंदा

नई दिल्ली (आरएनएस.),। भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज बेहद शानदार अंदाज में किया है। धर्मशाला के खूबसूरत मैदान पर खेले गए पहले रोमांचक मुकाबले में भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त देकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बारिश से बाधित इस मुकाबले को अंपायरों द्वारा 25-25 ओवर का कर दिया गया था, जहां टीम इंडिया ने गेंदबाजी से लेकर बल्लेबाजी तक हर मोर्चे पर अपना दबदबा साबित किया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम के फैसले को गेंदबाजों ने शुरुआत में सही साबित किया, लेकिन अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज आज अलग ही मूड में नजर आए। गुरबाज ने भारतीय गेंदबाजों की धुनाई करते हुए महज 48 गेंदों में अपने वनडे करियर का 9वां शानदार शतक ठोक दिया। उन्होंने अपनी 102 रनों की आतिशी पारी में 8 चौके और 8 गगनचुंबी छक्के जड़े। हालांकि, गुरबाज के अलावा अफगानिस्तान का कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका और पूरी टीम 24.5 ओवर में 194 रन पर ऑलआउट हो गई।

डेब्यूटेंट्स का जलवा: गुरनूर और हर्ष ने झटके 3-3 विकेटभारत के लिए इस मैच में अपना इंटरनेशनल डेब्यू कर रहे युवा गेंदबाजों ने अपनी रफ्तार और फिरकी से अफगान बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 32-सदस्यीय टीम घोषित की, नीरज-सेल्वा 'शर्तों के साथ' शामिल

नई दिल्ली (आरएनएस.),। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने रविवार को ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए 32-सदस्यीय एथलेटिक्स टीम का ऐलान किया है। इस अंतिम सूची में 22 पुरुष और 10 महिला एथलीट्स शामिल हैं। प्रमुख नामों में ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन नीरज चोपड़ा शामिल हैं। हालांकि, उनका टीम में शामिल होना प्रतियोगिता से पहले चयन की शर्तों को पूरा करने पर निर्भर करेगा।मेंस जंप और थ्रो इवेंट्स में एम. श्रीशंकर, तेजस्विन शंकर, तजिंदरपाल सिंह तूर, प्रवीण चित्रवेल और रोहित यादव जैसे एथलीट्स शामिल हैं। ट्रैक पर, गुरिंदरवीर सिंह, अनिमेष कुजूर और गुलवीर सिंह भारत की तरफ से स्प्रिंट और लंबी दूरी की दौड़ में चुनौती पेश करेंगे।महिला वर्ग में, पारुल चौधरी एंड्योरेंस इवेंट्स में मुख्य चेहरा होंगी, जबकि मनप्रीत कौर, सीमा और निधि रानी थ्रो इवेंट्स में भारत की उम्मीदों को आगे बढ़ाएंगी। रवीना और प्रियंका को 10,000 मीटर रेस वॉक के लिए चुना गया है। विशाल टी.के., राजेश रमेश, अंसा बाबू, रशदीप कौर और नीरू पाठक को मिलाकर एक अलग मिक्स्ड 4म400 मीटर रिले पूल भी बनाया गया है।इस घोषणा की एक अहम बात नीरज चोपड़ा और ट्रिपल जम्पर सेल्वा प्रभु का सशर्त चयन था। दोनों एथलीट्स ने गेम्स से पहले होने वाले प्रदर्शन के आधार पर विचार करने का अनुरोध

किया है। फेडरेशन उनकी भागीदारी की पुष्टि करने से पहले उनके नतीजों की समीक्षा करने पर सहमत हो गया है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय टीम

पुरुष:

गुरिंदरवीर सिंह (100 मीटर), अनिमेष कुजूर (200 मीटर), गुलवीर सिंह (5,000 मीटर), 10,000 मीटर, तेजस अशोक शिर्से (110 मीटर बाधा दौड़), यशस पी (400 मीटर बाधा दौड़), संतोष कुमार तमिलरासन (400 मीटर बाधा दौड़), सर्वेश अनिल कुशारे (ऊंची कूद), आदर्श राम जे (ऊंची कूद), देव मीणा (पोल वॉल्ट), कुलदीप कुमार (पोल वॉल्ट), एम. श्रीशंकर (लंबी कूद), लोकेश सत्यनाथन (लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल (ट्रिपल जंप), सेल्वा प्रभु* (ट्रिपल जंप), समरदीप सिंह गिल (शॉट पुट), तेजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट), नीरज चोपड़ा* (भाला फेंक), रोहित यादव (भाला फेंक), यश वीर सिंह (भाला फेंक), तेजस्विन शंकर (डेकाथलॉन, ऊंची कूद) (*नीरज चोपड़ा और सेल्वा प्रभु का चयन कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 से पहले उनके प्रदर्शन पर निर्भर करेगा)महिलाएं- पारुल चौधरी (3,000 मीटर स्टीपलचेज), 5000 मीटर, पूजा (ऊंची कूद), मनप्रीत कौर (शॉट पुट), सीमा (डिस्कस थ्रो), निधि रानी (डिस्कस थ्रो), रवीना (10,000 मीटर रेस वॉक), प्रियंका (10,000 मीटर रेस वॉक) मिक्स्ड रिले पूल (4म400 मीटर मिक्स्ड रिले)- विशाल टी.के., राजेश रमेश, अंसा बाबू, रशदीप कौर, नीरू पाठक मंत्री तोखन साहू, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सांसद कमलेश जांगड़े तथा छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

न्यूजीलैंड के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक', प्रधानमंत्री लक्सन ने दी विलियमसन को शानदार करियर पर बधाई

नई दिल्ली (आरएनएस.)। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन ने शुक्रवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। विलियमसन के रिटायरमेंट पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने पोस्ट लिखते हुए उनकी जमकर तारीफ की।

प्रधानमंत्री ने विलियमसन को न्यूजीलैंड के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि केन विलियमसन को हमेशा न्यूजीलैंड के अब तक के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में गिना जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहचान सिर्फ उनकी बल्लेबाजी क्षमता या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने की वजह से नहीं है, बल्कि इसलिए भी है, क्योंकि उन्होंने पूरे करियर में जिस तरह का व्यवहार और अनुशासन दिखाया है, वह भी असाधारण है।

अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री ने विलियमसन को क्लास खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वे मैदान पर और मैदान के बाहर दोनों जगह एक आदर्श खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने लिखा कि केन विलियमसन एक ऐसे क्रिकेटर हैं जिनकी तकनीक, शांत स्वभाव और खेल के प्रति समझ उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि विलियमसन न्यूजीलैंड के बे ऑफ प्लेंटी क्षेत्र के एक साधारण परिवार से आते हैं, लेकिन अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक बहुत बड़ा नाम बनाया है।

नेमार के बिना फीकी पड़ी ब्राजील की चमक, मोरक्को ने 1-1 से ड्रॉ पर रोका

न्यूजर्सी (ए.)। पांच बार की विजेता रही ब्राजील की टीम को फीफा विश्वकप फुटबॉल 2026 के अपने शुरुआती मुकाबले में ही मोरक्को की टीम ने 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। इस मैच में ब्राजील को अपने स्टार खिलाड़ी नेमार की कमी खली। नेमार के नहीं होने से इस रोमांचक मुकाबले में ब्राजील की टीम की चमक पहले जैसी नहीं दिखी।

मोरक्को ने उन्हें 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। इस परिणाम से ब्राजील का विश्व कप अभियान शुरुआत में ही कमजोर साबित हो गया है। टीम ने टूर्नामेंट में कदम रखते हुए जीत का सपना देखा था जिस पर अब सवाल उठने लगे हैं।

मैच की शुरुआत में ही मोरक्को ने आक्रामक रुख अपनाया। मैच के 21वें मिनट में ही इस्माइल सैबारी ने शानदार गोल कर मोरक्को को बढ़त दिला दी। इस शुरुआती झटके से ब्राजील पर दबाव बढ़ गया पर विनीसियस जूनियर ने 32 वें मिनट में एक गोल दागकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। यह विनीसियस का 10वां अंतरराष्ट्रीय गोल था, और उनके इस गोल ने स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया।

दोनो ही टीमों ने इसके बाद गोल करने के कई प्रयास किये पर सफल नहीं रहीं। ब्राजील ने 2002 के बाद से ही कोई विश्व कप नहीं जीता है और इस बार वे बड़े उम्मीदों के साथ मैदान में उतरे हैं। यही कारण था किस्टेडियम में मौजूद 80 हजार से अधिक दर्शकों ने मोरक्को के खिलाफ अपनी टीम की जीत के लिए नारे लगाये। प्रशंसक अपनी टीम से एक धमाकेदार शुरुआत की उम्मीद कर रहे थे पर मोरक्को की मजबूत रक्षापंक्ति और जवाबी हमलों ने ब्राजील को दूसरे गोल का अवसर ही नहीं दिया और मुकाबला अंत में बराबरी पर रहा।

इस मुकाबले में ब्राजील की टीम अपने स्टार खिलाड़ी नेमार जूनियर के बिना मैदान पर उतरी थी। नेमार दाहिने पैर की चोट से उबर रहे हैं, और उनकी अनुपस्थिति टीम के आक्रमण पर स्पष्ट रूप से दिखाई दी। टीम को मिडफ़ील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच वह रचनात्मकता और जादू की कमी महसूस हुई, जो नेमार आमतौर पर प्रदान करते हैं।अब ब्राजील को अपने अगले ग्रुप मैचों में प्रदर्शन सुधारना होगा जिससे वे विश्व कप के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर सकें।

रोहित सलामी बल्लेबाज के तौर पर 16,000 रन बनाने वाले भारत के दूसरे बल्लेबाज बने

धर्मशाला (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट में अपने 16000 रन पूरे कर लिए। सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के दूसरे और विश्व के सातवे खिलाड़ी बन गये हैं। उनसे पहले भारतीय टीम की ओर से इतने रन पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बनाये थे।

रोहित का 16000 पर पहुंचने के लिए केवल 6 रन चाहिये थे। रोहित ने मैच में पहला छक्का लगाते ही ये रिकार्ड बना दिया। वह मैच में 16 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच से पहले बतौर सलामी बल्लेबाज उनके नाम 15,994 रन दर्ज थे। रोहित ने अपने 16000 रन अपनी 384वीं अंतरराष्ट्रीय पारी में बनाये हैं।.

सलामी बल्लेबाजक के तौर पर 16,000 अंतरराष्ट्रीय रनों का आंकड़ा पार करना कोई मामूली बात नहीं है। रोहित अब दुनिया के उन गिने-चुने दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने क्रिकेट जगत पर राज किया है। इस एलीट क्लब में अब रोहित से पहले श्रलंका के सनथ जयसूर्या, वेस्टइंडीज के क्रिस गेल, ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर, दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ, वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स और भारत के वीरेंद्र सहवाग जैसे खिलाड़ी शामिल थे।

आंधी-तूफान में बार-बार बिजली फाल्ट से ग्राम चंदेरी सहित 25 गांवों के ग्रामीण परेशान

स्टाफ बढ़ाने और गांव में रात्रि के समय त्वरित फॉल्ट बिजली लाइट को सुधार व्यवस्था की मांग

बिलकिसगंज/बरखेड़ी (सीहोर) (निप्र)। सीहोर जिले के बिलकिसगंज क्षेत्र अंतर्गत बरखेड़ी विद्युत केंद्र से जुड़े लगभग 25 गांवों में आंधी-तूफान के दौरान बार-बार विद्युत लाइन फाल्ट होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद रात के समय फाल्ट सुधार कार्य में देरी होती है, जिससे लोगों को घंटों अंधेरे में रहना पड़ता है।

ग्रामीणों के अनुसार चंदेरी, नई चंदेरी, पिपलिया, ताकीपुर, शेरपुर, भगवानपुर, बड़नगर, आलमपुरा, बरखेड़ी सहित आसपास के कई गांवों में शनिवार रात्रि को आए आंधी-तूफान के कारण विद्युत लाइन में फाल्ट हो गया था। इसकी सूचना तत्काल विद्युत विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को दी गई, लेकिन सीमित स्टाफ और संसाधनों के कारण बिजली आपूर्ति बहाल होने में काफी समय लग गया।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में रात्रिकालीन ड्यूटी पर केवल एक-दो लाइनमैन ही उपलब्ध रहते हैं। ऐसे में अलग-अलग स्थानों पर एक साथ फाल्ट होने पर समय पर सुधार कार्य कर पाना मुश्किल हो जाता है। कई बार तो ग्रामीणों को पूरी रात अंधेरे में बितानी पड़ती है। गर्मी के मौसम में बिजली गुल रहने से लोगों को परेशानी होती है, वहीं मच्छरों और बीमारियों

का खतरा भी बढ़ जाता है।

ग्रामीणों एवं किसानों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत के दौरान कुछ अधिकारियों द्वारा फोन नहीं उठाया जाता, जिससे समस्या के समाधान में और अधिक देरी होती है। उन्होंने मांग की कि आंधी-तूफान या अन्य आपात स्थिति में रात्रि के समय अतिरिक्त लाइन स्टाफ, पिकअप वाहन तथा जिम्मेदार अधिकारियों की मौके पर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। समाजसेवी एम.एस. मेवाड़ा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बिलकिसगंज रोड स्थित नई चंदेरी में विद्युत ट्रांसफार्मर के समीप प्रदर्शन कर शासन-प्रशासन और विद्युत विभाग के अधिकारियों से मांग की कि बरखेड़ी सब स्टेशन क्षेत्र में लाइनमैनों की संख्या बढ़ाई जाए तथा फाल्ट की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करें शनिवार की रात्रि को लगभग 5 से 6 घंटे के भीतर ग्रामीणों के सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से रात्रि 8:00 बजे को फॉल्ट हुई बिजली लाइट को 3:00 बजे रात को सप्लाई चालू हुई है यदि मौके पर पूरी गांव की जनता सहयोग नहीं कर पाती तो एक अकेला लाइन में क्या काम कर पता है ग्रामीण जनता की मांग है कि तत्काल विद्युत कर्मचारियों को बढ़ाते हुए रात्रि के सामने आंधी तूफान में बिजली पथ पर शीघ्र समाधान करके बिजली आपूर्ति बहाल की जाना चाहिएग्रामीणों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, ऊर्जा मंत्री, विद्युत मंडल के एमडी साहब प्रबंध निदेशक, प्रमुख अभियंता एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विशेष कदम उठाए जाएं, ताकि आंधी-तूफान के दौरान होने वाले फाल्ट का शीघ्र निराकरण हो सके और आमजन को राहत मिल सके।प्रदर्शन में गोपाल सिंह मेवाड़ा, मांगीलाल मेवाड़ा, शंकरलाल मेवाड़ा, तुलसीराम मेवाड़ा, पूर्व मंडी अध्यक्ष हीरालाल, करण सिंह, उमराव सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान उपस्थित रहे।

अवैध रेत खनन एवं परिवहन पर की गई कार्रवाई
अवैध रेत उत्खनन करने पर 02 जेसीबी जब्त

सीहोर (ए.)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार खनिज, राजस्व एवं पुलिस के दल द्वारा जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरूद्ध निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में बुधनी, रेहटी एवं इछावर तहसील के अंतर्गत चेकिंग के दौरान दल द्वारा रेहटी में रेत का अवैध उत्खनन करते हुए 02 जेसीबी जब्त की गईं और रेहटी थाने की अभिरक्षा में दी गईं।

गौभोजनम् अभियान के माध्यम से गौसेवा का दिया गया संदेश

सीहोर (निप्र)। सीहोर की सामाजिक संस्था संडे के सुकून द्वारा संचालित गौसेवा अभियान गौभोजनम् का सफलतापूर्वक समापन किया गया। अभियान के माध्यम से ग्रीष्मकाल के दौरान नगर में विचरण करने वाले गौवंश को भोजन, पानी,

पशु आहार एवं हरी घास उपलब्ध कराई गई। संस्था के सदस्यों ने बताया कि भीषण गर्मी के दौरान अनेक स्थानों पर गौवंश भोजन एवं पेयजल के अभाव में परेशान होते हैं तथा कचरे में भोजन तलाशने को विवश हो जाते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए गौभोजनम् अभियान प्रारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत प्रतिदिन नगर के विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों गौवंश के लिए भोजन एवं पेयजल की व्यवस्था की गई। अभियान के दौरान नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अनेक लोगों ने अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ तथा परिजनों की पुण्यतिथि के अवसर पर गौसेवा कर सामाजिक सरोकार का परिचय दिया। बच्चों एवं युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए गौवंश के लिए भोजन एवं जल की व्यवस्था में सहयोग किया। संस्था के सदस्यों द्वारा लगातार दूसरे वर्ष प्रतिदिन प्रात: गौसेवा वाहन के माध्यम से नगर में स्थापित भोजन पात्रों एवं जल पात्रों को भरा गया, जिससे सड़क पर विचरण करने वाले गौवंश को दिनभर भोजन एवं पेयजल उपलब्ध हो सका। इसके साथ ही संस्था द्वारा विभिन्न स्थानों पर लगाए गए पौधों एवं गमलों की भी नियमित सिंचाई की गई, जिससे पौधे हरे-भरे बने रहे।

अब तक 1 लाख 82 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश

सीहोर (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत द्वितीय चरण के अंतिम दिन 13 जून तक प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में 1 लाख 82 हजार 473 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त कर लिया है। द्वितीय चरण में अब तक 86 हजार 679 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जिनमें 64 हजार 535 विद्यार्थी स्नातक (U G) तथा 22 हजार 141 स्नातकोत्तर (P G) पाठ्यक्रमों के विद्यार्थी हैं। इससे पूर्व प्रथम चरण में 72 हजार 477 विद्यार्थियों ने स्नातक तथा 17 हजार 463 विद्यार्थियों ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया था। अब तक कुल प्रवेशित विद्यार्थियों में 1 लाख 37 हजार 12 विद्यार्थी स्नातक पाठ्यक्रमों, 39 हजार 607 विद्यार्थी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों तथा 5 हजार 854 विद्यार्थी एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले चुके हैं। एनसीटीई पाठ्यक्रमों के प्रथम चरण में आवंटित विद्यार्थियों के लिए प्रवेश शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 15 जून निर्धारित है।

पुरुषोत्तम मास की शिवरात्रि पर ऐतिहासिक महाभिषेक, पूरा विश्व हुआ शिवमय

सीहोर (निप्र)। पुरुषोत्तम मास की पावन शिवरात्रि पर अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा महाराज के आह्वान पर पूरे विश्व में अभूतपूर्व आस्था का महासागर उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों, मंदिरों एवं शिवालयों में भगवान भोलेनाथ का महाभिषेक एवं विशेष पूजन-अर्चन कर धर्म और भक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। इस मौके पर कुबेरेश्वरधाम पर भी करीब 60 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने एक साथ सामूहिक रूप से आन लाइन पूर्ण विधि-विधान के साथ महाभिषेक में विशेष पूजा अर्चना की। पंडाल में विशाल एलईडी से सीधा प्रसारण किया जा रहा था। धाम पर मंदिर

परिसर में विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा और पंडित समीर शुक्ला ने यहां पर मौजूद विप्रजनों के मार्गदर्शन में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के साथ भगवान शिव का पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं अभिषेक किया।विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि अनुसार इस दिव्य अनुष्ठान में 81 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहभागिता की। भारत सहित अमेरिका, रुस, जापान, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, दुबई, नेपाल, मॉरीशस तथा अन्य अनेक देशों में भक्तों ने एक साथ भगवान शिव का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक एवं रुद्राभिषेक कर विश्व कल्याण की कामना की।

सुंदर वन की सुंदरता लौटने उतरी सीवन पुत्र एवं सीवन योद्धाओं की टीम

कचरा,पॉलीथिन,पाउच,बोतलों से भरा सुंदर वन कर दिया कचरा मुक्त इसके मूल स्वरूप को लौटने की अपील की है सीवन पुत्रों ने

सीहोर (निप्र)। सीवन के तट पर सीहोर का एक रमणीय और प्रकृति के वरदान के रूप में सौंपा गया सुंदर वन जो आज सुंदरवन की जगह उजड़ा वन दिखता है वर्तमान में इस सुंदर वन कचरा, बोतले,पॉलिथीन,पाऊच,सिगरेट के पैकेट, नमकीन की पनिया आदि से भरा हुआ है जिसको स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छ किया गया लगभग डेढ़ ट्रॉली कचरा निकाला गया,रविवार को सुबह 9 बजे टीम पहुंच गई सुंदर वन में जो पूरी गंदगी से लिप्त था । ज्ञात हो कि सीवन पुत्र टीम का सीवन उद्धार का 82 वां दिन था जिसे सार्थक रूप प्रदान किया गया,प्रदीप चावड़ा ने बताया कि सुंदर वन सीहोर की शान था 1990 में इसका उद्घाटन किया गया कुछ साल तक तो ये आबाद था,विभिन्न पशु,सभी प्रजातियों पंछी,मचान,झूले,फिसलपट्टी,फूलदार पौधें,मगरमच्छ,नौकायन आदि हुआ करते थे लेकिन बाद में पूरी तरह से सुंदर वन उजड़ गया । स्वच्छता की कड़ी में सीवान पुत्र एवं सीवन योद्धाओं की टीम स्वच्छता के साथ ये संदेश भी दिया कि सुंदर वन को फिर से सुंदरता प्रदान की जाए, इसे विकास की दृष्टि से विकसित किया जाएसुबह समाज सेवी एवं योगाचार्य ब्रजेश पाराशर एवं समानसेवी प्रदीप साबू सुंदर वन पहुंचकर सभी सीवन पुत्र व सीवन योद्धाओं का हौसला बढ़ाया साथ ही सीवन योद्धाओं का सम्मान भी किया । दिन भर स्वच्छता अभियान के तहत साफ सफाई का कार्य चलता रहा शाम को भोपाल से पधारे राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित दिलेर मोहम्मद खान एवं श्री राठौर उपस्थित हुए,सीवन पुत्र एवं सीवन योद्धाओं का हौसला बढ़ाने हेतुइस बीच दिलेर मोहम्मद खान ने सुंदर वन के जुड़ी अपनी बचपन की यादों को साझा किया उन्होंने सभी से निवेदन किया है कि सुंदर वन को फिर से विकसित करने हेतु आगे आए ।उन्होंने सीवन पुत्र टीम के कामों की सराहना की ।शाम को ही समाज सेवी मनीष गुप्ता भी अपनी धर्मपत्नी के साथ सुंदर वन को आए उन्होंने बताया कि ये सुंदर वन सीहोर की शान था,मेहमान को यहां लाया जाता था ।शिल्पी गुप्ता ने बताया कि ये वाकई में बहुत अच्छी जगह है यदि इसको विकसित की जाती है तो हमें एवं बच्चों को दूसरे शहर घूमने नहीं जाना पड़ेगा ।

बलदाऊ बहन सुभद्रा के साथ रथ में सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले भगवान जगदीश

सीहोर (निप्र)। जय जगन्नाथ के जय घोषों से शहर रविवार को गूंज उठा।अखिल भारतीय क्षत्रिय चंद्रवंशी खाती समाज ने भगवान जगदीश की रथ यात्रा चल समारोह निकाला। भगवान जगनाथ ने बलराम, बहन सुभद्रा देवी की श्रृंगारित आकर्षक प्रतिमाओ के साथ शहर भ्रमण किया। ट्रैक्टर ट्राली पर बने स्वर्ण रथ को 5000 से अधिक भक्तों ने बारी बारी से भोपाल नाके से अटल बिहारी वाजपेई चौराहा 3 किलोमीटर तक रस्से से भगवान के जयकारों के साथ खींचा। हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए विधिवत पूजन अर्चन कर प्रसाद ग्रहण किया। भगवान जगदीश की रथ यात्रा जल समारोह में क्षत्रिय चंद्रवंशी खाती समाज के पूर्व भारतीय सेना के जवान हाथों में तिरंगा लिए घोड़े पर सवार दिखाई दिए। बैंड बाजे डीजे की धुन पर युवा नाचते हुए दिखाई दिए। चल समारोह में शामिल कालों के काल महाकाल भोलेनाथ की जीवित झांकी और भजन गाते श्रद्धालु महिलाएं आकर्षण का केंद्र बने रहे। भगवान जगदीश रथ यात्रा चल समारोह का शहर में अनेक स्थानो पर विभिन्न सामाजिक राजनीतिक धार्मिक व्यापारिक संगठनो के पदाधिकारियो कार्यकर्ताओं सहित सैकड़ों नागरिकों के द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

आज किया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ वृद्धजन दुर्व्यहार रोकथाम जागरूकता दिवस का समापन

30 से अधिक वृद्धजनों का किया जाएगा सम्मान

सीहोर (निप्र)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सीहोर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ वृद्धजन दुर्व्यवहार रोकथाम जागरूकता दिवस के अवसर पर 14 एवं 15 जून को सैकड़ा खेड़ी वृद्ध आश्रम, सीहोर में दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सीहोर कलेक्टर बालागुरु के के निर्देश पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सीहोर के तत्वाधान में दो दिवसीय आयोजन संकल्प वृद्धाश्रम केन्द्र के सहयोग से किया जा रहा है। इसके पहले दिन वृद्धाश्रम में संगोष्ठी का आयोजन किया गया था, वहीं सोमवार को सुबह 11 बजे वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती अरुणा सुदेश राय के मुख्य आतिथ्य में भव्य रूप से कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। इस मौके पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से उप संचालक महेश यादव सहित समाजसेवी और वृद्धजन मौजूद रहेंगे।

जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता सीहोर क्लब ने सीहोर चिल्ड्रन को 1-0 से हराया

सीहोर (निप्र)। शहर के चर्च मैदान पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में स्वर्गीय कैलाश सारंग के स्मृति में दूसरे वर्ष भी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है प्रतियोगिता के दसवें दिन लीग के दौरान रविवार को दो मैच खेले गए पहला मैच जूनियर वर्ग में सीहोर क्लब विरुद्ध सीहोर चिल्ड्रन के मध्य खेला गया जिसमें सीहोर क्लब 1-0 से विजय रही सीहोर क्लब की तरफ से सुमन ने एक गोल किया एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि सीनियर वर्ग में सीहोर बाइज विरुद्ध आरएसआई के मध्य खेला गया जिसमें सीहोर बाइज 2-1 से विजय रही सीहोर बाइज की तरफ से आदित्य ने एक गोल किया अथर्व ने एक गोल किया युवराज ने एक गोल किया आर एस आई की तरफ से ध्रुव ने एक गोल किया प्रतियोगिता में कल दो मैच खेले जाएंगे जिसमें जूनियर वर्ग में सीहोर मिनी बाइज विरुद्ध डीएसवाईडब्लू के मध्य खेला जाएगा सीनियर वर्ग सीहोर बाइज विरुद्ध सीहोर चिल्ड्रन के मध्य खेला गया।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सीहोर (म.प्र.)

email-modgmseh@mp.gov.in

क्रमांक-2475/खनिज/उ.प./2026, सीहोर, दिनॉक- 12/06/2026

प्रथम सूचना

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-1क)

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक **श्री नरेन्द्र सिंह, आ. श्री रतन सिंह, निवासी- ग्राम रूपेटा, तह. आष्टा, जिला-सीहोर** द्वारा म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-1क के तहत उत्खनिपटटा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर **ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 25.05.2026** को प्रस्तुत किया गया है। विज्ञप्ति प्रकाशित होने के उपरांत 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथा स्थिति उत्खनिपटटा अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला.	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/अन्य भूमिस्वामी की सहमति प्राप्त	खनिज का नाम	रिमार्क
सीहोर	आष्टा	रूपेटा	167/1/24(एस)	2.000 हे.	शासकीय	क्रशर हेतु पत्थर	कुल रकबा 7.944 हे. में से 2.000 हे. क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।
			कुल रकबा	4.000 हे.			

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथी तक (कार्यालयीन समय सांय 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि इस प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

जी/14370/26

उप संचालक
(खनिज प्रशासन)
जिला-सीहोर (म.प्र.)

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, संभाग बुधनी जिला सीहोर (म.प्र.)

मेन रोड बुधनी फोन नं. 07564-235305

निविदा सूचना क्रमांक 02/2026-27/व.ले.लि./बुधनी, दिनांक 09/06/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स	टेण्डर क्रमांक	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित राशि (रू. लाखों में)	अमानत राशि (EMD)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	आमंत्रण क्रं.	ई.एम.डी. एवं निविदा से सम्बन्धित अन्य दस्तावेज
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_514277_1	मरम्मत कार्य	लो.नि.वि.उपसंभाग बुधनी क्र. 01 बुधनी अंतर्गत विभिन्न मार्गो के बी.टी. एवं डब्ल्यू. एम.एम.पेच मरम्मत कार्य	19.90	39800.00	09 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	निविदा से सम्बन्धित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाईन ही स्वीकार्य होंगे।
2	2026_PWDRB_514278_1	मरम्मत कार्य	लो.नि.वि.उपसंभाग भैरूंदा अंतर्गत विभिन्न मार्गो के बी.टी. एवं डब्ल्यू.एम.एम.पेच मरम्मत कार्य	19.90	39800.00	09 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
3	2026_PWDRB_514281_1	मरम्मत कार्य	लो.नि.वि.उपसंभाग बुधनी क्र.01 के अंतर्गत विभिन्न मार्गो के पुल पुलियों के मरम्मत कार्य	19.90	39800.00	09 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
4	2026_PWDRB_514282_1	मरम्मत कार्य	लो.नि.वि.उपसंभाग भैरूंदा के अंतर्गत विभिन्न मार्गो के पुल पुलियों के मरम्मत कार्य	19.90	39800.00	09 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
5	2026_PWDRB_514283_1	मरम्मत कार्य	लो.नि.वि.उपसंभाग बुधनी क्र.01 के अंतर्गत शासकीय एवं गैर शासकीय भवनों का मरम्मत एवं छतों पर वाटर प्रूफिंग कार्य	19.90	39800.00	09 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम	
			कार्य की अधिकतम लागत (रू. लाख में)	**19.90**				

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय (Document Download/Sale End Date) करने की अंतिम तिथि 25.06.2026 (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

प्रमुख अभियंता लो.नि.वि.भोपाल का पत्र क्रं. 401/सा./ई-टेण्डरिंग/09/1088/भोपाल/दिनांक 05.11.2020 द्वारा निविदा से सम्बन्धित समस्त दस्तावेज एवं ई.एम.डी. केवल ऑनलाइन ही स्वीकार्य होगे।

जी/14353/26

कार्यपालन यंत्री
लो.नि.वि.सं.बुधनी म0प्र0
07564-23530

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com